শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 119 | गुवाहाटी | गुरुवार, 28 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

30 वर्षों में कभी इतने स्थगन प्रस्ताव नहीं मिले पेज 2
मणिपुर में सीओसीओएमआई के सदस्यों ने बंद कराए सरकारी कार्यालय पेज 3
मेवाड़ पूर्व राजपरिवार विवादः धूणी दर्शन नहीं हुए एकलिंगजी के दर्शन ... पेज 5
जसप्रीत बुमराह ने आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर की वापसी पेज 7

काजीरंगा : अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट

पूर्वोत्तर से संबंधित नकारात्मक धारणाओं को दूर करने के लिए दूतावासों के संपर्क में हैं : मुख्यमंत्री

काजीरंगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि वैश्विक गलत धारणाएं पूर्वोत्तर क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने में बड़ी चुनौती हैं। उन्होंने कहा कि वह इस तरह की नकारात्मक यात्रा सलाह के संबंध में विभिन्न दूतावासों के संपर्क में हैं। अमेरिका और ब्रिटेन के अलावा कई यूरोपीय देशों ने भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को जोखिमपूर्ण क्षेत्र की सूची में रखा है तथा अपने नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने या वहां जाने से बचने की सलाह दी है। हालांकि, शर्मा का तर्क है कि असम और क्षेत्र के अधिकांश अन्य राज्य पिछले पांच वर्षों से शांतिपूर्ण रहे हैं और अब समय आ गया है कि सलाह और धारणा को तदनुसार *सही* किया जाए। उन्होंने कहा कि असम में पिछले पांच सालों में किसी भी तरह की हिंसा या आतंकवादी गतिविधि नहीं हुई है। फिर भी, कई देशों ने किसी तरह पूर्वोत्तर राज्यों को प्रतिबंधित श्रेणियों (अपनी यात्रा सलाह में) में रखा है। इसलिए हम दूतावासों के साथ लगातार संपर्क में हैं और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मदद मांग रहे हैं। वह असम के काजीरंगा में 12वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) के अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। राज्य सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2023 में असम आने वाले सात मिलियन पर्यटकों में से केवल 26,000 विदेशी होंगे। शर्मा ने कहा कि यह धारणा बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि असम एक शांतिपूर्ण, उग्रवाद मुक्त राज्य है तथा यहां कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिर भी, अमेरिका और जापान जैसे देशों ने अपने नागरिकों के पूर्वोत्तर की यात्रा करने पर कुछ प्रकार के प्रश्नचिह्न लगा रखे हैं। इसलिए राज्य और क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों की आमद से पहले धारणा प्रबंधन एक बड़ा मुद्दा है। हालांकि, उनका कहना है कि यह एक लंबी प्रक्रिया हो सकती है, क्योंकि कई देशों के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि पूर्वोत्तर को नकारात्मक यात्रा सलाह से हटाने में समय लग सकता है। इस वर्ष जुलाई में अंतिम बार अपडेट की गई अमेरिकी सलाह में आतंकवाद और हिंसा के कारण अमेरिकियों को पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा पर पुनर्विचार करने की सिफारिश की गई थी। कनाडाई सलाह में कहा गया है कि *आतंकवाद और उग्रवाद के जोखिम के कारण असम और मणिपुर की अनावश्यक यात्रा से बचें।* मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। हम राजदूतों को असम के परिवर्तन को देखने के लिए आमंत्रित करते रहते हैं ताकि वे विदेशों में हमारे राजदूत के रूप में कार्य कर सकें। पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित आईटीएम मंगलवार से शुक्रवार तक चलता है, जिसका फोकस आठ पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन हितधारकों के बीच सहयोग पर होता है। प्रतिभागियों में 400 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू टूर ऑपरेटर, होटल व्यवसायी, प्रभावशाली व्यक्ति और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। गतिविधियों में व्यापारिक बैठकों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों से लेकर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और चराइदेव मोइदम सहित साइट विजिट शामिल हैं। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक संध्या, खाद्य प्रदर्शन और लाइव प्रदर्शन भी शामिल हैं, जिसमें असम के संगीत आइकन -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में पर्यटन की अपार संभावनाएं : शेखावत

गोलाघाट (हि.स.)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। पूर्वोत्तर के राज्यों में न सिर्फ दुनियाभर के पर्यटक, बल्कि भारत के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। आज देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटक अपने देश के अंदर ही नए-नए पर्यटन स्थलों की तलाश कर रहे हैं, ऐसे लोगों के लिए पूर्वोत्तर भारत आकर्षक का केंद्र बन रहा है। केंद्रीय मंत्री शेखावत बुधवार को काजीरंगा में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का उद्घाटन करने के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के बनने के बाद से बीते 10 वर्षों में जिस प्रकार पूर्वोत्तर में सड़क, रेलवे तथा हवाई कनेक्टिविटी बढ़ी है तथा पर्यटन से जुड़े आधारभूत ढांचे विकसित किए गए हैं, उससे पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने बोगीबिल पुल की चर्चा करते हुए कहा कि इस प्रकार के कई पुल ब्रह्मपुत्र पर निर्माण किए गए हैं। एक प्रश्न के उत्तर में शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के टूरिज्म एंबेसडर के रूप में कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों लंदन में भारत चलो का नारा दिया था। विश्वभर में रह रहे प्रवासी भारतीयों से प्रधानमंत्री ने अपील की कि वे भारत आएं। प्रधानमंत्री ने पर्यटन वीजा को सहज बनाने के लिए ई विजा प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत लोगों को भारतीय दूतावास में जाने की भी जरूरत नहीं है, इंटरनेट के जरिए पर्यटन से संबंधित वीजा प्राप्त किया जा सकता है। चाहे वह मेडिकल टूरिज्म, एजुकेशन टूरिज्म हो या अन्य कोई टूरिज्म- सभी प्रकार के टूरिज्म के लिए वीजा प्रक्रिया को सहज बना दिया गया है। इसके पहले अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शेखावत ने पूर्वोत्तर में पर्यटन के क्षेत्र में किए गए -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नौ हजार शिक्षकों की नियुक्ति करेगी राज्य सरकार

बीपीएल छात्रों की फीस भी होगी माफ

गुवाहाटी। शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने बुधवार को जनता भवन में कई विकासोन्मुख योजनाओं और नीतियों की घोषणा की। इन पहलों का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करना है, जिनमें शिक्षकों की कमी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच और डिजिटल शिक्षण संसाधनों का विकास शामिल है। प्रमुख घोषणाओं में से एक थी 9,000 नए शिक्षकों की भर्ती, जिनका ध्यान स्थानीय भाषाओं में दक्षता पर -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने देवपहाड़ पुरातत्व स्थल का दौरा किया

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार गोलाघाट जिले में स्थित देवपहाड़ पुरातात्विक स्थल के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए आवश्यक कदम उठाएगी, जो प्राचीन असम में जरासंध साम्राज्य का हिस्सा था। काजीरंगा में 12वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट के बाद साइट का दौरा करते हुए शर्मा ने गोलाघाट जिला आयुक्त को साइट के उचित संरक्षण और संवर्द्धन के लिए डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। साइट के संरक्षण और आगे के विकास की पहल के लिए एक समिति का गठन तुरंत किया जाएगा। देवपहाड़ साइट काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 60 किमी और गुवाहाटी से 250 किमी से अधिक दूर स्थित है। सीएम -शेष पृष्ठ दो पर

ठीक से काम करिए नहीं तो चली जाएगी नौकरी : सीएम

एजल। मिजोरम सरकार ने काम चोरी करने वाले कर्मचारियों हटाने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने मंगलवार को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक बुलाई थी। इसी दौरान उन्होंने ठीक से काम नहीं करने वाले कर्मचारियों को हटाने का फैसला लिया है। सीएम ने कहा कि सरकारी विभागों की जांच के लिए कई कमेटियां बनाई जा रही है, जो सरकारी विभाग के तहत आने वाले कर्मचारियों के कामों की समीक्षा करेगी और सरकार को उसकी रिपोर्ट सौंपेगी। मिजोरम सरकार ने सरकारी कर्मचारियों की बढ़ती लापरवाही को देखते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

स्वाभिमानी व्यक्ति प्रतिकूल विचारों को सम्मुख रखकर दुबारा उन पर विचार करें।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अरुणाचल में मिट्टी ढहने से दो मजदूरों की मौत

इटानगर। इटानगर की डोनी कॉलोनी में बुधवार को मिट्टी का एक टीला गिरने से असम के दो मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान असम के ढेकियाजुली के रहने वाले जहां हेमरान (45) और विजय बाग (46) के रूप में हुई है। पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर से भागे कुकी लोगों की मदद करेगी कार्बी आंग्लांग परिषद, जल्द ही बातचीत होगी शुरू

डिफू। मणिपुर में लंबे समय से दो समुदायों कुकी-जो और मैतेई समुदाय के बीच लगातार हिंसा जारी है। इस हिंसा में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, असम में कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) ने कहा है कि वह लगभग 1,000 कुकी-जो लोगों की वापसी में मदद करेगी, जिन्होंने पिछले साल मणिपुर में हिंसा भड़कने के बाद से सिंघासोन पहाड़ियों में शरण ली थी। केएएसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) तुलीराम रोंगहांग ने कहा कि यहां आए कुकी-जोस की वापसी को सुविधाजनक बनाने के लिए इस मुद्दे पर विभिन्न हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हम उन्हें जबरदस्ती बेदखल नहीं करेंगे, बल्कि -शेष पृष्ठ दो पर

अब अजमेर दरगाह शरीफ का होगा सर्वे, अदालत ने स्वीकारी याचिका

अजमेर। यूपी के संभल में स्थित जामा मस्जिद के बाद अब राजस्थान के अजमेर में दरगाह शरीफ में सर्वे का रास्ता साफ हो गया है। निचली अदालत ने हिंदू पक्ष की उस याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिसमें अजमेर शरीफ दरगाह को हिंदू मंदिर बताया गया है। याचिका हिन्दू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दायर की गई थी। बताया जा रहा है कि हिंदू पक्ष ने याचिका के साथ ही सबूत भी पेश किया गया है। याचिका में उस जगह -शेष पृष्ठ दो पर

फडणवीस का सीएम बनना लगभग तय, शिंदे ने खुद को दौड़ से किया बाहर

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के नाम पर कई दिनों से चल रहे सस्पेंस को खत्म करते हुए कार्यवाहक-सीएम एकनाथ शिंदे ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया और खुद को सीएम की दौड़ से बाहर कर दिया। इसके साथ ही देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना लगभग तय हो गया है। उन्होंने प्रचंड जीत के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो किसी भी पद या स्थिति के लिए परेशान होंगे। उन्होंने सीएम पद छोड़ने का बड़ा संकेत देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके लिए जो भी फैसला करेंगे, वह उससे सहमत होंगे। भाजपा नेता और महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारी महायुति में कभी भी एक-दूसरे के प्रति मतभेद नहीं रहा। हमने हमेशा एक साथ बैठकर निर्णय -शेष पृष्ठ दो पर

लेबनान में युद्ध विराम शुरू, विस्थापित लौटने को तैयार

बेरूत (हि.स.)। लंबी जद्दोजहद के बाद इजराइल और आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के युद्ध विराम पर सहमत होते ही लेबनान में लड़ाई थम गई। युद्ध विराम आधिकारिक तौर पर बुधवार तड़के चार बजे से प्रभावी हो गया। इसी के साथ लड़ाई के दौरान लेबनान से विस्थापित हजारों लोग स्वदेश लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस के संयुक्त बयान में युद्ध विराम लागू होने की पुष्टि की गई है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल और लेबनान के आतंकी समूह हिजबुल्लाह के बीच दशकों के इतिहास में अब तक के सबसे घातक युद्ध को समाप्त करने के लिए किया गया संघर्ष विराम आधिकारिक तौर पर बुधवार तड़के चार बजे प्रभावी हो गया। -शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने किया स्वागत कहा-क्षेत्र में आएगी शांति और स्थिरता

नई दिल्ली। भारत ने इजरायल और लेबनान के बीच में संघर्ष विराम का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम हमेशा से तनातनी खत्म करने, संयम बरतने और बातचीत तथा राजनयिक कूटनीति अपनाने पर बल देते रहे हैं। हमें लगता है कि इस घटनाक्रम से क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल और लेबनान स्थित हिजबुल्ला के बीच संघर्ष विराम बुधवार सुबह शुरू हुआ। विदेश -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : इस्कॉन को जमात-ए-इस्लामी की धमकी, 24 घंटे में मंदिर बंद करने का अल्टीमेटम

ढाका। बांग्लादेश में इस्कॉन लीडर चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर बवाल बढ़ता ही जा रहा है। जहां बुधवार को हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग की गई है तो वहीं जमात के कार्यकर्ता अब इस्कॉन को लेकर धमकियां दे रहे हैं। बांग्लादेश के सोनाली मार्केट में स्थित इस्कॉन मंदिर को 24 घंटे में बंद करने का अल्टीमेटम दिया गया है। जमात के कार्यकर्ताओं की ओर से यह धमकी -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के इस्कॉन ने केंद्र से लगाई मदद की गुहार

कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख चेहरे और इस्कॉन मंदिर से जुड़े चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी तेज हो गई है। उनके जेल जाने की खबरों के बाद से लगातार हंगामा जारी है। भारत के पड़ोसी मुल्क में इस समय हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार हमले हो रहे हैं। इस्कॉन मंदिर और उनके अनुयायी निशाने पर हैं। इस बीच, कोलकाता में स्थित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ने केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

रास में विपक्ष पर भड़के सभापति धनखड़, बोले-

30 वर्षों में कभी इतने स्थगन प्रस्ताव नहीं मिले

नई दिल्ली। गौतम अदाणी के मुद्दे पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है और संसद की शीतकालीन सत्र भी हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। बुधवार को भी विपक्ष के हंगामे के चलते संसद की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। बुधवार को विपक्ष के रवैये पर राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि उच्च सदन के सदस्यों को सदन की परंपरा का पालन करने की जरूरत है। दरअसल बुधवार को विपक्ष के कई सांसदों ने स्थगन प्रस्ताव पेश किया। जब उच्च सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मेरा हमेशा इस बात पर जोर होता है कि उच्च सदन की स्थापित परंपराओं का पालन किया जाए। राज्यसभा सभापति के फैसले का सम्मान करने की जरूरत है। सदन के नियम 267 (स्थगन प्रस्ताव) के तहत इतने कई प्रस्ताव मिले हैं। बीते 30 वर्षों के कार्यकाल को देखें तो इस दौरान कई सरकारें और प्रशासन सत्ता में आए, लेकिन कभी भी प्रस्तावों की संख्या एकल अंक से ज्यादा नहीं रही। इसके बाद सभापति ने किसी स्थगन प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी, जिसके बाद विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया और सदन की कार्यवाही गुरुवार तक स्थगित करनी पड़ी। बुधवार को आम आदमी पार्टी के एक सांसद ने नोटिस देकर दिल्ली की कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते अपराधों पर चर्चा की मांग की। वहीं सुष्मिता देव, राघव चड्ढा, तिरुची शिवा, संतोष कुमार पी आदि विपक्षी सांसदों ने मणिपुर हिंसा के मामले पर चर्चा की मांग की। जॉन बिटास, ए ए रहीम, रामगोपाल यादव और अब्दुल वहाब ने उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मामले पर संसद में चर्चा के लिए प्रस्ताव पेश किया था। सांसदों की मांग थी कि सदन के अन्य कार्यों को स्थगित करके उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की जाए।

विपक्ष ने जेपीसी की बैठक का किया बहिष्कार, अवधि बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल पर विपक्ष ने जेपीसी की बैठक का बहिष्कार किया है। विपक्षी नेताओं ने यह कहते हुए बैठक बीच में छोड़ दी कि अध्यक्ष ने 29 नवंबर को जेपीसी की वक्फ (संशोधन) रिपोर्ट का मसौदा पेश करने की घोषणा की थी, जिसका सभी विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया है। विपक्षी नेताओं ने जेपीसी की अवधि बढ़ाने की मांग की है। आप सांसद और जेपीसी सदस्य संजय सिंह ने कहा कि जब तक रिपोर्ट को अंतिम रूप नहीं दिया जाता, सभी हितधारकों को सुना नहीं जाता और जेपीसी का दौरा पूरा नहीं हो जाता- मुझे लगता है कि उससे पहले मसौदा रिपोर्ट जमा करना गलत है। आप नेता ने कहा कि स्पीकर ने हमें आश्वासन दिया था कि वह जेपीसी का समय बढ़ाएंगे। इन सब बातों को दरकिनार करते हुए आप कह रहे हैं कि ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंपने के लिए तैयार है। आपने दिल्ली सरकार, जम्मू-कश्मीर सरकार, पंजाब सरकार, यूपी सरकार के बारे में नहीं सुना है। एआईएमआईएम सांसद और जेपीसी सदस्य असदुद्दीन औवेसी ने कहा कि शासनादेश है कि रिपोर्ट 29 नवंबर को दी जाए। हम कैसे दे सकते हैं, इसकी एक प्रक्रिया है जिसका पालन किया जाना चाहिए जो कि नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समिति ने बिहार, पश्चिम बंगाल का दौरा नहीं किया है। ऐसे कई हितधारक हैं कि हम चाहते हैं कि वे आएं। यह समिति सभी हितधारकों को आने की अनुमति क्यों नहीं दे रही है? भाजपा सदस्य जगदंबिका पाल के नेतृत्व वाली संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा शुक्रवार को है। ऐसी संभावना है कि समिति को अपनी मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा सहित शेष कार्य को पूरा करने के लिए कार्यकाल विस्तार दिया जा सकता है।

अडानी मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में कामकाज प्रभावित

नई दिल्ली (हि.स.)। अडानी रिश्वत मामले को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में बुधवार को विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज प्रभावित रहा। इसी बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि उद्योगपति गौतम अडानी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। संसद प्रांगण में पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में मामूली से आरोपों पर लोगों को गिरफ्तार किया जाता है जबकि उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिका में रिश्वत देने के गंभीर आरोप लगे हैं। हमारी मांग है कि उन्हें गिरफ्तार किया जाए। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज प्रभावित रहा। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही देर बाद हंगामा के चलते इसे 12:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं, दूसरी और राज्यसभा में कार्यवाही पहले 11:30 बजे और बाद में दिनभर तक के लिए स्थगित कर दी गई।

चोरी की कार बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पान बाजार थाना क्षेत्र इलाके से चोरी की कार को पुलिस ने बंगाईगांव से बरामद किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पान बाजार थाना इलाके से चोरी की गई कार (एएस-19एम-1424) को बंगाईगांव पुलिस की मदद से नॉर्थ बंगाईगांव इलाके से बरामद किया गया है। बरामद की गई कार को औपचारिकता पूरी करने के बाद कार के मालिक को सौंप दिया गया है। घटना के संबंध में पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर चोरी मामले में शामिल वाहन चोर की तलाश कर रही है।

पूसीरे में अब तक 66 प्रतिशत से अधिक बिजलीकरण

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल के 100 प्रतिशत बिजलीकरण और नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के एक हिस्से के रूप में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अपने बिजलीकरण मिशन में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। नवंबर 2024 तक, पूसीरे ने कुल 2,827.74 रूट किलोमीटर (आरकेएम) का सफलतापूर्वक विद्युतीकृत किया है, जो 4260.52 आरकेएम के कुल लक्ष्य का 66 प्रतिशत से अधिक है, इस प्रकार इसने अपने रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण में तेजी से वार्षिक प्रगति को दर्शाया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि पूसीरे के विभिन्न मंडलों- लमडिंग (986.76 आरकेएम), कटिहार (747.12 आरकेएम), अलीपुरद्वार (618.75 आरकेएम), रंगिया (433.8 आरकेएम) और तिनसुकिया (41.31 आरकेएम) विद्युतीकृत हो चुका है। पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन आने वाले राज्यों में असम 1,401.46 आरकेएम विद्युतीकृत पटरियों के साथ सबसे आगे है, इसके बाद पश्चिम बंगाल (935.94 आरकेएम), बिहार (318.87 आरकेएम) और त्रिपुरा (151.58 आरकेएम) हैं। मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और मणिपुर जैसे राज्यों में भी बिजलीकरण शुरू किया गया है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में समावेशी बुनियादी अवसंरचना के विकास के प्रति पू. सी. रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

RE-ADVERTISEMENT

Applications are hereby invited from the intending candidates in the **Establishment of the District & Sessions Judge, Kokrajhar** of the state of Assam to fill up the vacant post of Chief Administrative Officer in the Establishment of the undersigned in the pay scale of Rs.30,000/- to Rs.1,10,000/- with Grade Pay Rs.14,500/- per month as per R.O.P. Rules, 2017 per month having the following requisite conditions:

1. The candidates must have served either as Sheristadar of Addl. District & Sessions Judge or as a Head Assistant in the District & sessions Judge Establishment continuously for a minimum period of 4 (four) years.
2. The Candidates must submit their application in Standard Form of Application as published in the Assam Gazette in Part IX & must affix 2 (two) copies of recent passport size (coloured) photograph along with self attested copies of all testimonials and experience certificate (if any), photo-copies of ACRs of last 05 years issued by competent authority, through proper channel.
3. The duly filled in applications should reach to the office of the undersigned on or before 11-12-2024 by 05-00 P.M., by hand or by post. The authority shall not be responsible for any postal delay. The application received after due date and time and incomplete application will be summarily rejected.
4. Candidate will have to appear before the Selection Board for interview at their own expenses as and when called for.
5. The date of interview will be intimated in the official website (https://kokrajhar.dcourts.gov.in) of the Kokrajhar District Judiciary in due course of time. No individual call letter will be issued.

Sd/-
District & Sessions Judge
Kokrajhar

-- Janasanyog /D/9373/24/28-Nov-24

पृष्ठ एक का शेष

पूर्वोत्तर से संबंधित नकरात्मक ...

जुबीन गर्ग की भागीदारी भी शामिल है। पर्यटन महानिदेशक मुग्धा सिन्हा ने पर्यटन मंत्रालय की *जीवन के लिए यात्रा* पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए, इस वर्ष के मार्ट के आधार के रूप में स्थिरता पर जोर दिया। काजीरंगा, जो अपने एक सींग वाले गैंडों और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है, आईटीएम के लिए एक उपयुक्त स्थल है। यह आयोजन न केवल क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को रेखांकित करता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसकी छवि को फिर से परिभाषित करने का भी प्रयास करता है, पर्यटन को सतत विकास के साथ जोड़ता है और क्षेत्र की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

पूर्वोत्तर में पर्यटन...

उल्लेखनीय कार्यों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष 10 हजार से अधिक पर्यटक काजीरंगा पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पूर्वोत्तर में विभिन्न प्रकार के पर्यटन की संभावनाओं की चर्चा की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शेखावत के साथ असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, असम के पर्यटन मंत्री जयंत मल्लबरुवा, कृषि मंत्री अतुल बोरा समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

नौ हजार शिक्षकों ...

केंद्रित था। डॉ. पेगू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन नियुक्तियों से विभिन्न स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर हो जाएगी तथा सभी पद संविदा के आधार पर नहीं बल्कि नियमित आधार पर भरे जाएंगे। उन्होंने प्रेस को बताया कि हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और स्थायी शिक्षकों की भर्ती से हमारे स्कूलों में स्थिरता सुनिश्चित होगी। शिक्षा सेतु ऐप के माध्यम से स्कूलों से सटीक डेटा प्रस्तुत करने के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाएगा, जिससे विशिष्ट विषय की कमी की पहचान करने में सहायता मिलेगी। स्कूलों को अपना डेटा अपलोड करना आवश्यक है, जिसका सत्यापन स्कूल प्रधानाचार्यों द्वारा किया जाएगा, जिससे शिक्षा विभाग खामियों को दूर करने के लिए शीघ्रता से कार्य कर सकेगा। शिक्षक भर्ती के अलावा, डॉ. पेगू ने आर्थिक रूप से वंचित छात्रों के लिए एक बड़ी राहत की घोषणा की। सरकारी और प्रांतीय स्कूलों में कक्षा 11 और 12 में पढ़ने वाले गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों के विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसे शैक्षणिक वर्ष 2024 के लिए लागू किया जाएगा, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 18 करोड़ रुपए 1,145 स्कूलों में वितरित किए जाएंगे, जिससे 250,000 से अधिक छात्र लाभान्वित होंगे। मंत्री ने ग्रेड फोर कर्मचारी पदों को आउटसोर्स करने की योजना का भी खुलासा किया, इन पदों के लिए स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस निर्णय का उद्देश्य स्कूलों के प्रशासनिक कामकाज में सुधार लाना है, साथ ही स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। शिक्षा की गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग शिक्षकों की मदद से विषय-विशेष शैक्षिक वीडियो तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन पढ़ाई को सुविधाजनक बनाने के लिए ये वीडियो यूट्यूब पर अपलोड किए जाएंगे, जिससे छात्रों के लिए पाठ तक पहुंच आसान हो जाएगी और वे अपने विषयों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने देवपहाड़ ...

ने कहा कि मैं अक्सर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जाता हूं। हालांकि, मुझे अब तक इस पुरातात्विक स्थत्र पर जाने का अवसर नहीं मिला था। मुझे इस साइट के बारे में बताया गया था। मैं समझ नहीं पाया कि हमारे पास इतना पुरातात्विक खजाना है। हिमंत ने कहा कि इस साइट मैं लगभग 8वीं-9वीं शताब्दी की कलाकृतियां हैं। उन्होंने कहा कि कलाकृतियां दर्शाती हैं कि असम एक प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र था। यह स्थल एक उन्नत सभ्यता के अस्तित्व को दर्शाता है। हाल ही में असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है। 12वीं शताब्दी से असमिया भाषा के उपयोग के साक्ष्य यहां की कलाकृतियों में मौजूद हैं। शर्मा ने देवपहाड़ पहाड़ी पर खुदाई के माध्यम से कई कलाकृतियां या ऐतिहासिक वस्तुएं खोजने का विश्वास व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि पुरातात्विक और पर्यटन के दृष्टिकोण से पहाड़ी के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। मैं जल्द ही सकारात्मक विकास की घोषणा करने का प्रयास करूंगा। यह देखते हुए कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में आने वाले पर्यटक इस स्थल से अनजान हो सकते हैं, सीएम ने लोगों से देवपहाड़ जाने और इसके इतिहास को जानने का आग्रह किया। इस स्थल पर पत्थर के मंदिर के अवशेष संभवत: 10वीं और 11वीं शताब्दी के बीच के हैं। इस स्थल में जटिल नक्काशीदार पौराणिक पत्थर की मूर्तियां हैं, जबकि मंदिर के अवशेष क्षेत्र की स्थापत्य विरासत का उदाहरण हैं। ये कलाकृतियां परिष्कृत कलात्मकता का प्रदर्शन करती हैं और उस काल के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को दर्शाती हैं। देवपहाड़, जिसका अर्थ है *भगवान की पहाड़ी,* गोलाघाट जिले के नुमुलीगढ़ में एक सर्वोपरि प्राचीन विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। यह 135 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसमें प्राचीन अवशेष, स्मारक, शिव मंदिर के साथ-साथ प्राचीन मूर्तियां, सिक्के, मंदिर और विविध ईट के नमूने हैं।

ठीक से काम ...

ने फैसला लिया है कि जो भी कर्मचारी अपना काम ठीक से नहीं कर रही है। उनको सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा। कितने कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रहे हैं। इस बात का पता लगाने के लिए सरकार सभी विभाग के कर्मचारियों के कामों की समीक्षा करेंगी। वहीं, समीक्षा के लिए सरकार ने टीमें बनाना भी शुरू कर दिया है। मंगलवार को एजल में हुई सीएम की समीक्षा बैठक के बाद सीएम ने कहा कि जो भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे हैं, उन्हें नौकरी से हटा दिया जाएगा। ऐसे लोगों का पता लगाने के लिए कई समितियां बनाई जा रही है, जो सभी विभाग के कर्मचारियों के कामों की समीक्षा करेंगी। मुख्यमंत्री लालडुहोमा ने कहा कि यह पहल योग्य और कुशल कर्मचारियों की पहचान और कामचोर कर्मचारियों की पहचान के लिए की जा रही है। सीएम लालडुहोमा ने कहा कि मुझे लगता है कि अयोग्य कर्मचारियों को काम से निकाल दिया जाए, क्योंकि अब वह नौकरी के लायक नहीं है। हमारी सरकार बेहतर गुणवत्ता सेवा देने वाले कुशल कर्मचारियों को रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लालदुहोमा ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है कि सभी परियोजनाएं ठीक से और प्रभावी ढंग से पूरे प्रदेश में लागू होती रहे। सीएम ने कहा है कि राज्य परियोजना निगरानी समिति द्वारा सभी परियोजनाओं की बारीकी से निगरानी की जा रही है। समिति ने अब तक लगभग 40 परियोजनाओं की समीक्षा की है।

मणिपुर से भागे कुकी ...

कुकी समुदाय सहित विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के साथ विचार-विमर्श के बाद उनकी वापसी की सुविधा प्रदान करेंगे। रोंगहांग ने कहा कि भूमि अधिकार केवल उन लोगों को दिए जाएंगे जो कार्बी आंग्लांग जिले में इसकी स्थापना के समय से रह रहे हैं या लंबे समय से स्थायी निवासी हैं। उन्होंने मंगलवार को बोकाजन के जापराजन क्षेत्र में भूमि अधिकार वितरण कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि जिले के बाहर से आने वाले व्यक्तियों, विशेषकर मणिपुर से आने वाले लोगों को भूमि दस्तावेज वितरित करने की हमारी पहल के तहत भूमि अधिकार नहीं दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले पर चर्चा के लिए 28 नवंबर को एक बैठक बुलाई गई है और हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया जाएगा। कार्बी आंग्लांग और पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलों का शासन संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्वायत्त परिषद द्वारा किया जाता है। ये दोनों जिले कार्बी लोगों के घर हैं, जिनकी पहाड़ी जनजातियों, कुकी, हमार और थाडौस में सबसे बड़ी आबादी है। पहाड़ियों में अतीत में कार्बी और कुकी के बीच व्यापक जातीय संघर्ष देखा गया है। 90 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में, संघर्ष दो समुदायों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले उग्रवादी समूहों - यूनाइटेड पीपुल्स डेमोक्रेटिक सॉलिडेरिटी (पीडीएस) और कुकी रिवोल्यूशनरी आर्मी (केआरए) के बीच लगातार झड़पों में बदल गया, जिसके परिणामस्वरूप 100 से अधिक लोग मारे गए। कार्बी उग्रवादी संगठनों ने 2021 में सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे हिंसा समाप्त हो गई। कार्बी और कुकी के बीच संघर्ष की जड़ें भूमि, संसाधनों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर विवादों में हैं। पिछले साल मई से मणिपुर में कुकी-जो और मैतेई समुदाय के बीच जातीय संघर्ष में 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। मेइती समुदाय की आदिवासी दर्जे की मांग और आदिवासी कुकी-जो लोगों के इसके विरोध के कारण भड़की हिंसा के कारण हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं।

अब अजमेर दरगाह...

पर पूजा करने की अनुमति मांगी गई है। साथ ही पुरातत्व विभाग द्वारा सर्वे किए जाने की भी मांग की गई है। बता दें कि इससे पहले मामले में मंगलवार को भी सुनवाई हुई थी। अदालत ने 27 नवंबर की तारीख तय की थी। दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा किया गया है। बताया जा रहा है कि पिछली सुनवाई के दौरान सबूत के तौर पर एक खास किताब पेश की गई। किताब में दावा किया गया कि वहां एक हिंदू मंदिर था। इससे पहले, हिंदू सेना की तरफ से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष याचिका पेश की गई थी। हालांकि, न्यायाधीश प्रीतम सिंह ने ये कहकर सुनवाई से इनकार कर दिया था कि यह उनके क्षेत्राधिकार से बाहर है। इसके बाद जिला अदालत में याचिका पेश की गई।

फडणवीस का सीएम...

लिया है और हमने चुनाव से पहले कहा था कि हम चुनाव के बाद (सीएम पद के संबंध में) सामूहिक रूप से निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को संदेह है जिसे एकनाथ शिंदे जी ने आज स्पष्ट कर दिया है। जल्द ही हम अपने नेताओं से मिलेंगे और फैसला लेंगे। महायुति ने चुनावों में भारी जीत हासिल की और 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें हासिल कीं। उन्होंने कहा कि मैं न तो परेशान हूं, न ही नाराज हूं। पिछले दो-चार दिनों से आपने ऐसी अफवाहें देखी होंगी कि कोई नाराज है। हम नाराज़ होने वाले लोग नहीं हैं। मैंने कल प्रधानमंत्री से बात की और उन्हें बताया कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने में हमारी ओर से कोई बाधा नहीं है। आप निर्णय लें। भाजपा का फैसला अंतिम है। एनडीए का नेता कौन है? पीएम मोदी और एचएम अमित शाह। इसलिए मैंने उन दोनों को फोन किया कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने में हमारी तरफ से कोई दिक्कत नहीं है। आप निर्णय लें और हम निर्णय स्वीकार करेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता सीएम पद को लेकर जो भी फैसला लेंगे, उनके उम्मीदवार को शिवसेना पूरा समर्थन देगी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी जीत दिलाने के बाद, मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार के रूप में देखे जा रहे वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के लिए सोमवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद महाराष्ट्र में भाजपा की कायापलट का श्रेय जाने वाले देवेंद्र फडणवीस पहले ही भाजपा आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली रवाना हो चुके हैं। शिवसेना के एकनाथ शिंदे और एनसीपी के अजित पवार के भी राजधानी के लिए रवाना होने की संभावना है।

लेबनान में युद्ध ...

इसकी घोषणा होते ही दक्षिणी बेरूत के दहिया में पुनर्निर्माण का काम शुरू हो गया। हिजबुल्लाह का मुख्यालय दहिया में ही है। कभी घनी आबादी वाले दहिया में इस समय इक्का-दुक्का लोग ही रह रहे हैं। यहां से अक्तूबर में 52 वर्षीय मोहम्मद अवादा अपने दो बच्चों के साथ उत्तरी लेबनान के शहर त्रिपोली भाग गए थे। हमले में उनका अपार्टमेंट नष्ट हो गया था। युद्ध विराम की भनक मिलते ही उन्होंने कहा कि वह दहिया लौटेंगे और वहां नए सिरे जीवन शुरू करेंगे। इस बीच लेबनान की सेना ने विस्थापित नागरिकों से दक्षिणी लेबनान के कस्बों और गांवों में लौटने से पहले इजराइली सैनिकों के हटने का इंतजार करने का आह्वान किया है। साथ ही गैर-विस्फोटित आयुध के खतरों के बारे में भी चेताया है। लेबनान के अधिकारियों ने कहा कि संघर्ष विराम लागू होने के कुछ घंटों बाद विस्थापित परिवार दक्षिणी और पूर्वी लेबनान लौटने लगे। लेबनान में इस समय संयुक्त राष्ट्र अंतरिम शांति सेना के 10 हजार जवान मौजूद हैं। इराइली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने कहा कि संघर्ष विराम की शर्तों के अनुसार देश के सैनिक दक्षिणी लेबनान मौजूद हैं। एड्राई ने लेबनाने के विस्थापितों को चेतावनी दी कि वे तुरंत वापस नहीं जाएं। सुरक्षित आवाजाही के संकेत मिलते ही सूचित किया जाएगा। इस युद्ध विराम से इजराइल में स्थिति अपेक्षाकृत शांत दिखाई दी। आधीरात के बाद से देश में कोई नया हवाई हमला सायरन नहीं बजा है। ताजा युद्ध विराम का उद्देश्य इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच एक साल से अधिक समय से चल रही लड़ाई को समाप्त करना है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइली सेना की बमबारी और जमीनी कार्रवाई में लगभग 3,800 लोग मारे गए हैं। दस लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। लेबनान के समाचार पत्र द नेशनल के अनुसार, इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच सालभर से अधिक समय तक चली लड़ाई के बाद लेबनान में युद्ध विराम लागू हो गया है। युद्ध विराम की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वाशिंगटन में की। संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस ने संयुक्त बयान में युद्ध विराम की शर्तों और अपेक्षाओं को रेखांकित किया है। इस युद्ध विराम पर संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस नजर रखेंगे।

भारत ने किया ...

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम इजरायल और लेबनान के बीच घोषित संघर्ष विराम का स्वागत करते हैं। हमने हमेशा तनाव कम करने, संयम बरतने और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है। हमें उम्मीद है कि इन घटनाक्रमों से व्यापक क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी। अक्तूबर की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर चिंता जाहिर की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि वैश्वीकृत दुनिया में कहीं भी संघर्ष वास्तव में हर जगह समस्याएं पैदा करता है। ईमानदारी से कहें तो आज, चाहे वह यूक्रेन में संघर्ष हो या मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में। पूरी दुनिया इससे प्रभावित है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, युद्ध विराम के कुछ घंटों बाद जश्न के बीच दक्षिण लेबनान के लंबे समय से विस्थापित निवासी अपने घरों को लौटने लगे हैं।

बांग्लादेश : इस्कॉन को...

दी गई है, वहीं इससे पहले मंदिर का एक बोर्ड भी हटाया गया था। दरअसल बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है। इस्कॉन लीडर चिन्मय कृष्ण दास हिंदुओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाते रहे हैं। उन पर अक्तूबर के आखिरी हफ्ते में एक रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप है। 25 नवंबर को राजद्रोह के आरोप में चिन्मय कृष्ण दास को एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसके बाद उनके समर्थकों और हिंदू समुदाय के लोग आक्रोशित हैं। बांग्लादेश की अदालत ने चिन्मय दास को जमानत देने से इनकार कर दिया जिसके बाद उनके समर्थक भड़क गए और कोर्ट के बाद हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान एक सरकारी वकील की मौत हो गई। वकील सैफुल इस्लाम की मौत से बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी को एक बार फिर इस्कॉन के खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव बनाने का मौका मिल गया है। कुछ दिनों पहले जमात ने यूनुस सरकार से इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग भी की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में हिंदुओं की एकजुटता से जमात को लगता है कि हिंदू आंदोलन बांग्लादेश में अवामी लीग और वैध चुनावों को जगह दे सकता है और उन पर फिर से प्रतिबंध लगाया जा सकता है। बांग्लादेश में इस्कॉन के 65 मंदिर हैं और 50 हजार से अधिक फॉलोवर्स हैं। ढाका में जहां 13 इस्कॉन मंदिर हैं तो चटगांव में 14, सिलहाट में 9, खुलना में 8 और रंगपुर में 7 इस्कॉन मंदिर हैं। एक ओर जमात कार्यकर्ता इस्कॉन मंदिर को बंद करने चेतावनी दे रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर गुरुवार को इस्कॉन पर बैन की मांग वाली याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। जमात के दबाव के आगे लाचार दिख रही बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने कोर्ट ने इस्कॉन को कट्टरपंथी संगठन बताया है। अब देखना होगा कि बांग्लादेश की अदालत इन बेबुनियाद आरोपों पर क्या फैसला करती है।

भारत के इस्कॉन ...

को अपने साधुओं और हिंदू वैष्णव धार्मिक व्यवस्था के अन्य सदस्यों पर हो रहे हमले से अवगत कराया। इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी इस्कॉन के साधुओं और भक्तों के साथ-साथ हिंदुओं सहित अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों के लगातार हमलों और उत्पीड़न का ताजा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस्कॉन और रामकृष्ण मिशन जैसे अन्य हिंदू धार्मिक आदेशों के खिलाफ इस्लामवादियों द्वारा गिरफ्तारी और बढ़ती धमकियां पिछले तीन महीनों से चल रही थीं और दास की गिरफ्तारी अब तक का अंतिम उदाहरण है। हालात चिंताजनक हैं और हमने विदेश मंत्रालय और केंद्रीय गृह मंत्रालय से इस तरह के हमलों से लोगों के जीवन और संपत्ति को बचाने तथा सुरक्षित करने के लिए उचित कदम उठाने का आग्रह किया है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष दास ने कहा कि हमने केंद्र से बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया है ताकि ऐसी घटनाएं रुक सकें। उन्होंने कहा कि इस्कॉन यह भी चाहता है कि संयुक्त राष्ट्र स्थिति का संज्ञान ले और चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई के लिए जो भी आवश्यक हो, वह करे। उन्होंने आगे कहा कि हाल के दिनों में बांग्लादेश में कई स्थानों पर हमारे साधुओं को कुछ इस्लामी तत्वों द्वारा अपहरण किए जाने तथा जान से मारने की धमकी दी जा रही थी, लेकिन वहां के अधिकारियों ने बताए जाने के बावजूद हमारी चिंताओं को दूर करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए। बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोट के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्र से चट्टोग्राम जाते समय गिरफ्तार किया। बांग्लादेश की एक अदालत ने देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत देने से मंगलवार को इनकार कर दिया और उन्हें जेल भेज दिया। हिंसा की यह घटनाएं इस साल पांच अगस्त के तख्ता पलट के बाद शुरू हुईं। जब प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिर गई और वह भारत चली गईं। इस राजनीतिक अस्थिरता के दौरान कट्टरपंथी इस्लामी समूहों ने इस्कॉन को निशाना बनाना शुरू कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में इस समय करीब 40,000 मंदिर हैं और इनमें से कई को कट्टरपंथी तत्वों द्वारा हमले का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी समूहों द्वारा इस्कॉन के खिलाफ चलाए जा रहे ऑनलाइन अभियानों के तहत #बीएएनइस्कॉन और #इस्कॉनइज टेरोरिस्ट जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे हैं। इन समूहों का आरोप है कि इस्कॉन देश की सांप्रदायिक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। खुलना डिवीजन में एक इस्कॉन मंदिर पर हमले के बाद, कट्टरपंथियों ने इसके खिलाफ हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

अरुणाचल में मिट्टी...

ने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल के समन्वय से पुलिस अधिकारी आर के झा की अगुवाई में पांच घंटे चले अभियान के बाद दोनों लोगों को बचाया गया। उन्होंने बताया कि घायल गणेश ओरान और जोसेफ दोपनू को रामकृष्ण मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि इमारत के ढहने की परिस्थितियों की जांच के लिए इटानगर पुलिस थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। इटानगर राजधानी क्षेत्र के उपायुक्त तालो पोटोम ने धरती काटने की गतिविधियों से जुड़े राज्य के कानूनों के उल्लंघन पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों सहित हितधारकों के साथ कई बैठकों के बावजूद, अवैध उत्खनन और योजना प्राधिकरण से अनुमति की अवहेलना जारी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के उल्लंघनों से अक्सर जान-माल का नुकसान होता है। मुझे उम्मीद है कि नागरिक भविष्य में अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए योजना प्राधिकरण से संपर्क करेंगे।

मणिपुर में सीओसीओएमआई के सदस्यों ने बंद कराए सरकारी कार्यालय

इंटरनेट पर प्रतिबंध दो दिन के लिए बढ़ा, अपहृत चिकित्सक को सुरक्षा बलों ने कराया मुक्त

इंफाल (हिंस)। मणिपुर अखंडता समन्वय समिति (सीओसीओएमआई) के सदस्यों ने बुधवार को मणिपुर में सरकारी कार्यालयों को बंद करने का अभियान चलाया। समिति की छात्र शाखा ने मणिपुर सचिवालय सहित केंद्र और राज्य सरकार के कई कार्यालयों को बंद कराया। उन्होंने कर्मचारियों को बाहर निकाल कर कार्यालयों को बंद कर दिया। सीओसीओएमआई द्वारा मणिपुर में केंद्र तथा राज्य सरकारों के कार्यालयों और प्रतिष्ठानों को बंद करने की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने प्रदर्शनकारियों को शांति बनाए रखने तथा संयम से काम लेने की अपील की थी। मुख्यमंत्री की अपील को धता बताते हुए सीओसीओएमआई के सदस्यों ने मणिपुर में सरकारी कार्यालयों और प्रतिष्ठानों को बंद करवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनआईए ने जिरीबाम हिंसा से संबंधित मामलों को फिर से दर्ज किया है। सुरक्षा बलों ने जिरीबाम में छह बंधकों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार और एनडीए विधायक शेष मांगों को पूरा करने में जनता का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। इसमें हिंसा से जुड़े संबंधित संगठनों को आतंकवादी घोषित करना और छह पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र से अफ्सपा को हटाना आदि शामिल है। सीओसीओएमआई की छात्र शाखा के संयोजक थोकचोम धनचंद्र ने कहा कि सरकारी कार्यालयों को बंद कराना उनकी मांगों पर ध्यान न देने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन का हिस्सा है। उन्होंने निराशा व्यक्त की कि समिति के निर्णय की अनदेखी करते हुए कई कार्यालयों में काम करना जारी रखा गया, जिस कारण उन्हें बंद कराना पड़ा। इसी बीच हिंसक गतिविधियों के मद्देनजर मणिपुर सरकार के जिला प्रशासनों द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में लगे इंटरनेट पर प्रतिबंध की अवधि को और दो दिनों के लिए बढ़ा दिया है। राज्य में बड़े पैमाने पर अफवाह फैलाने की कोशिशें चल रही हैं।

लमडिंग में गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। पुलिस ने लुमडिंग में भारी मात्रा में गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि दक्षिण लुमडिंग थोक बाजार के पास लुमडिंग पुलिस और होजाई अपराध नियंत्रण शाखा द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान में गांजा जब्त किया गया। इस दौरान 17 किलोग्राम गांजा जब्त किया। पुलिस ने तीन स्कूटी और दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जबकि एक अन्य भागने में सफल रहा। दोनों गिरफ्तार तस्करों की पहचान लुमडिंग के अमल दे और संजीत दे उर्फ धन के रूप में हुई है। टिंकू मंडल नामक एक अन्य व्यक्ति, जो वहां मौजूद था, भागने में सफल रहा। पुलिस मामले की जांच और पूछताछ कर रही है।

काजीरंगा में एलिवेटेड कॉरिडोर का काम शीघ्र होगा शुरू : मुख्यमंत्री

गोलाघाट (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि काजीरंगा में एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना का निर्माण कार्य शीघ्र ही शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर का महत्व हमारे लिए बहुत अधिक है। विशेष रूप से बाढ़ के दौरान वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है। इससे संबंधित प्रस्ताव जल्द ही अंतिम अनुमोदन के लिए कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री बुधवार को काजीरंगा में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के समय में काजीरंगा के वन्य प्राणी सड़क के एक तरफ से दूसरी तरफ चले जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, बाढ़ के कारण वन्य प्राणियों का व्यापक नुकसान होता है। एलिवेटेड कॉरिडोर बनने से वन्य प्राणियों की सुरक्षा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे संबंधित सभी प्रकार की तैयारियां केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा पूरी कर ली गई है। एलाइनमेंट का काम पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले 4 से 5 महीने के अंदर इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

भारी मात्रा में हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की चांदमारी पुलिस ने एडीसीपी सेंट्रल के नेतृत्व में अभियान चला कर भारी मात्रा में हेरोइन समेत दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आज शाम 5 बजे गुप्त सूचना के आधार पर चांदमारी पुलिस की टीम और एसओजी सेंट्रल की टीम ने एडीसीपी के नेतृत्व में नूनमाटी पुलिस थाना क्षेत्र के हल्दीबाड़ी इलाके में 46 नंबर मकान में अभियान चलाकर भारी मात्रा में हेरोइन समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मिंटू रहमान (28, चांदमारी, गुवाहाटी) और मोहम्मद डन अली (41, दरंग) के रूप में की गई है। गिरफ्तार तस्करों के पास से पुलिस ने 50 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी भरकर रख गए 68 ग्राम हेरोइन, 550 खाली सीसी, 4 मोबाइल फोन, दो खाली साबुनदानी की डिब्बी, दो स्कूटी (एएस-01,ईडी-9930 और एएस-02एक्स-4814), लाल बत्ती लगी एक कार (एएस-01बीके-6723) के अलावा नगद 61,500 रुपए जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

रंगिया में एसबीआई डिजिटल मीडिया प्रैक्टिकल ग्राहक जागरूकता बैठक

कामरूप (हिंस)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मंगलवार को अर्थव्यवस्था में डिजिटल मीडिया के व्यापक उपयोग के बारे में बैंकों और विभिन्न वित्तीय संस्थानों के ग्राहकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया। जागरूकता बैठक हरदत्त बीरदत्त भवन हॉल, रंगिया में आयोजित की गई। कार्यक्रम में बैंक के मांडलिक प्रबंधक सर्वेश कुमार भी मौजूद रहे। एसबीआई की ओर से आज जारी एक बयान में बताया गया है और अपने संबोधन में, मंडल प्रबंधक ने ग्राहकों को डिजिटल मीडिया के लाभों के बारे में बताया और कुछ डिजिटल मीडिया ग्राहकों द्वारा सामना किए जाने वाले धोखाधड़ी अपराधों को रोकने के लिए प्रत्येक ग्राहक को जागरूकता संदेश दिया। उन्होंने लोगों से वित्तीय लेनदेन के दौरान पासवर्ड, ओटीपी जानकारी प्रदान करने सहित विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक होने का भी आग्रह किया। एक अन्य मुख्य प्रबंधक (संचालन) अभिषेक द्वीप ने उसी मंच पर कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर वाईफाई के उपयोग और ऑनलाइन लॉटरी सहित अन्य तरीकों से धोखाधड़ी हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्राहक स्वयं जागरूकता के माध्यम से ऐसी घटनाओं को रोकने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि ग्राहक धोखाधड़ी का सामना करने पर एटीएम कार्डधारक 1930 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। रंगिया शहरी शाखा के मुख्य प्रबंधक घनश्याम कुमार सिंह ने ग्राहकों से डिजिटल मीडिया के माध्यम से पैसे का लेन-देन करते समय अधिक सावधान रहने का आग्रह किया। बैठक में व्यवस्थापन प्रबंधक रिपुंजय तालुकदार, रंगिया बाजार शाखा और सोनेश्वर शाखा प्रबंधक सिद्धार्थ मेधी और पापरी फूकन के साथ ही बड़ी संख्या में ग्राहक और एसएसबी जवान शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता उप प्रबंधक सागर रॉय ने की और सेवानिवृत्त अध्यक्ष डॉ. दिवाकर शर्मा और राजू सिंह मुख्य अतिथि थे। बैठक में कामरूप जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रकाश डेका भी शामिल हुए, जिन्होंने बैंक अधिकारियों से छात्रों को डिजिटल मीडिया के उपयोग के बारे में अधिक जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को लागू करने का आग्रह किया। व्यावसायिक संकेश्वर नाथ ने डिजिटल मीडिया के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए भी उठाए गए कदमों की सराहना की।

सापटग्राम के रानीगंज में तीन लोगों को मारी गोली

धुबड़ी (हिंस)। सापटग्राम के रानीगंज में हुई फायरिंग में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बाइक पर सवार तीन युवक आए और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। एक ही बाइक पर तीनों युवक आए थे। एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र के मालिक और पोस्ट ऑफिस के संग्राहक पर नजदीक से गोलियां चलाई गईं। उन तीनों पर कई राउंड गोली चलाई गई। जिसमें अबैदुर रहमान को पेट और पैरों में गोली लगी। हमले में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र के अबैदुर रहमान, रतन रॉय और अब्दुल गफूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने किया निर्माणाधीन साइंस सिटी का निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को सोनापुर में निर्माणाधीन साइंस सिटी का निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने लंबे समय से निर्माणाधीन केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम की प्रगति का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री के साथ असम के कैबिनेट मंत्री केशव महंत भी मौजूद थे। मंत्री ने निर्माण कार्य की धीमी गति को देखकर परियोजना में शामिल अधिकारियों को लताड़ लगाई। केंद्रीय मंत्री ने 1 नवंबर, 2025 से पहले काम पूरा करने और परियोजना को जनता के लिए खोलने का निर्देश दिया है। वे इस बात से नाराज हुए कि करीब चार साल पहले शिलान्यास हो चुकी परियोजना का निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं हो पाया है।

शातिर पॉकेटमार मोंटू अली गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की जालुकबारी पुलिस ने 1.5 लाख की पॉकेटमारी करने के आरोप में शातिर पॉकेटमार मोंटू अली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि जालुकबारी पुलिस चौकी की एक डब्ल्यूजीपीडी टीम ने गाड़ीगांव के एक शातिर पॉकेटमार मोंटू अली को नलबाड़ी के एक व्यक्ति से 1.5 लाख रुपए चुराने की कोशिश करते हुए रंगे हाथ पकड़ने के बाद गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से रकम बरामद कर ली गई। घटना के संबंध में एक पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बोड़ोलैंड ने काजीरंगा में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट में अपनी खूबसूरती का किया प्रदर्शन

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। असम के हृदय में बसा बोड़ोलैंड मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता, जीवंत संस्कृति और विविध वन्य जीवन की भूमि है। यह अप्रयुक्त स्वर्ग काजीरंगा में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट में बोड़ोलैंड पर्यटन की भागीदारी का मुख्य आकर्षण था। बीटीसी के पर्यटन कार्यकारी सदस्य डॉ. धर्म नारायण दास और बीटीआर के पर्यटन सचिव जयंत शर्मा के नेतृत्व में बोड़ोलैंड प्रतिनिधिमंडल ने एक प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं का प्रदर्शन किया। स्टॉल में मानस और रायमोना राष्ट्रीय उद्यानों के प्राचीन परिदृश्य, स्वदेशी समुदायों की सांस्कृतिक समृद्धि और इको-पर्यटन और साहसिक पर्यटन में पहलों पर प्रकाश डाला गया। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और असम के मंत्रियों अतुल बोरा, केशव महंत और जयंत मल्ला बरुआ के साथ बोड़ोलैंड पर्यटन स्टॉल का दौरा किया और क्षेत्र की विरासत और प्राकृतिक खजाने को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। पर्यटकों से बातचीत करते हुए बीटीसी ईएम डॉ. धर्म नारायण दास ने कहा कि बोड़ोलैंड भारत का एक छिपा हुआ रत्न है, जो अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और अद्वितीय पर्यटन अनुभव प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित बोड़ोलैंड महोत्सव के दौरान असम के पर्यटन क्षेत्र की प्रशंसा करते हुए कहा था, *असम भारत के पर्यटन क्षेत्र की एक बड़ी ताकत है, जबकि बोड़ोलैंड असम के पर्यटन की ताकत है*। इस मान्यता से प्रेरित होकर, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो के नेतृत्व में बीटीआर सरकार बोड़ोलैंड की पूर्ण पर्यटन क्षमता को अनलॉक करने के लिए अभिनव रणनीतियों को लागू कर रही है।

अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहा ट्रक जब्त

नगांव (हिंस)। जिला के कलियाबोर के उलुवानी में बीती देर रात तस्करी की लकड़ी से लदे एक वाहन को जब्त किया गया। स्थानीय लोगों ने वाहन को जब्त कर वाहन को वन विभाग को सौंप दिया। वन विभाग के सूत्रों ने आज बताया है कि उलुवानी में ग्रामीण सड़क से जा रहा वाहन चालक स्थानीय लोगों को देखने के बाद वाहन को सड़क पर छोड़ कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। बाद में, बड़ी मात्रा में तस्करी की लकड़ी ले जाने वाले वाहन को जब्त कर लिया गया और लोगों ने वन विभाग को सूचित किया। शिलघाट प्रखंड वन विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचकर तस्करी की लकड़ी से लदे ट्रक (एएस-12सीसी-1282) को जब्त कर लिया। तस्करी की लकड़ी लेकर वाहन काजीरंगा की दिशा से कलियाबोर की ओर जा रहा था। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर फरार तस्करों की तलाश कर रहा है।

शिक्षाविद त्रिनयन बोरा के निधन से सतिया में शौक

विश्वनाथ (विभास)। आज सतिया के वयोवृद्ध शिक्षाविद समाजसेवक सभी के चहेते त्रिनयन बोरा (82) के निधन से पूरे अंचल में शौक की लहर दौड़ गई। बोरा पिछले कई दिनों से अस्वस्थ्य चल रहे थे कल रात गुवाहाटी के निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उन्होंने सतिया कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक के रूप में अवकाश ग्रहण किया था वो सतिया वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष के साथ विश्वनाथ वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के सलाहकार व सतिया केंद्रीय बिहुमेला समिति के अध्यक्ष पद के साथ बहुत से सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए थे। उनके निधन की खबर मिलते ही उनके चाहने वालों का उनके घर पर तांता लगा गया। सतिया नाट्य भवन के सामने श्रद्धांजलि अर्पित अनुष्ठान का आयोजन किया गया जिसमें नोदुवार के विधायक पद्म हजारिका सहित सभी दल संगठनों ने बोरा को श्रद्धांजलि अर्पित की विधायक पद्म हजारिका ने बोरा के निधन पर शौक व्यक्त किया समाज में एक अपूर्णनीय छती बताई उनके जीवन के बारे बताते हुए उनके श्रद्धांजलि अर्पित की उसके बाद सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। वो अपने पीछे दो पुत्र पुत्रवधु दो पौत्रियों सहित परिवार छोड़ गये है।

बिश्वनाथ में गंगा गौशाला में 2250 गौ सेवाओं से टीएन चंद्रानी ने अपने आदर्शों से आकर्षित की

विश्वनाथ (विभास)। हैदराबाद की एक उच्च शिक्षित महिला टीएन चंद्रानी ने सन 2020 से बिश्वनाथ में कारिबिल के पास बुरोई नदी के तट पर गंगा गौशाला में लगभग 2,050 गायों की सेवा करके एक मिसाल कायम की है। उल्लेखनीय है कि गंगा गौशाला की शुरुआत 2020 में तस्करी के पशु व्यापारियों से जब्त की गई 120 गायों और पुराने गौशाला मंदिर में 35 (कुल 155) गायों के साथ की गई थी। उच्च स्तरीय सरकारी नौकरी छोड़कर गौ सेवा को अपने जीवन का लक्ष्य चुनने वाली टीएन चंद्राणी के मन में एक सपना रखते हुए भविष्य में गंगा गौशाला में प्राय: 6 हजार गौ पालन के साथ गोकुल धाम में परिवर्तन करने के साथ गंगा गौशाला एक खूबसूरत पर्यटन स्थल के रूप में इसे बनाने की भी योजना है। सरकार और कई शुभचिंतकों की तरफ से खूब प्रतिक्रिया आ रही है। गाय पालन के लिए पर्याप्त जगह की कमी और वित्तीय कठिनाइयों के कारण भारत भर में ध्यान फाउंडेशन की देखरेख में लगभग पैंतालीस गौशालाएं हैं, सत्तर हजार से अधिक गायें वे गाय पालकर एक मिसाल कायम कर रहे हैं। चंद्राणी, जो खुद को गंगा गौशाला के भविष्य के विकास के लिए एक स्वयंसेवक के रूप में पेश आतीं हैं और इस गौशाला में लगभग 60 कर्मचारी हैं। चंद्राणी ने सरकार से कुछ भूमि आवंटित करने की मांग की है।

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने बक्सा में विकास को गति दी

बुनियादी ढांचे, कृषि और कोल्ड स्टोरेज पर फोकस

विकसित भारत समाचार

बक्सा। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ाने और विकास को गति देने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने आज बक्सा के डोलबारी में एनएच-127ई को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) से जोड़ने वाली एक पहुंच सड़क के निर्माण की आधारशिला रखी। इस परियोजना का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, पहुंच में सुधार करना और बक्सा जिले के लोगों के लिए नए अवसर पैदा करना है। सभा को संबोधित करते हुए, बीटीसी प्रमुख बोरो ने परियोजना की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण और बक्सा के हर कोने तक विकास सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कनेक्टिविटी में सुधार करके, हम बीटीआर के लिए एक समृद्ध और प्रगतिशील भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। एक बार पूरा हो जाने पर, सड़क ईएमआरएस डोलबारी तक निर्बाध पहुंच प्रदान करेगी और प्रमुख परिवहन मार्गों को जोड़कर क्षेत्रीय विकास को मजबूत करेगी। कार्यक्रम में बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद विधान सभा (बीटीसीएलए) के अध्यक्ष काति राम बोरो, विधायक भूपेन बोरो और अन्य अधिकारियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। अपने दौरे के दौरान, प्रमोद बोरो ने डोलबारी गांव में आलू के बीज कंदों के औपचारिक वितरण में भाग लिया। यह पहल स्थानीय किसानों को बारामा कोल्ड स्टोरेज से जोड़ती है, कृषि आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ाती है और कुशल भंडारण और वितरण सुनिश्चित करती है। बोड़ोलैंड पिग मिशन के तहत आधुनिक कृषि उपकरण, जिसमें ट्रैक्टर और अन्य उपकरण शामिल हैं, भी वितरित किए गए, जो एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना और फसल और पशुधन दोनों क्षेत्रों में उत्पादकता में सुधार करना है। इस अवसर पर बोलते हुए, बीटीसी प्रमुख बोरो ने कहा कि हमारे किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले आलू के बीज और उन्नत मशीनरी से लैस करके, हमारा लक्ष्य उन्हें सफलता के लिए आवश्यक संसाधनों से सशक्त बनाना है। ये पहल न केवल उत्पादकता को बढ़ावा देंगी बल्कि एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला भी स्थापित करेंगी जो किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभान्वित करेगी। बीटीसीएलए के अध्यक्ष काति राम बोरो और बीटीसी कार्यकारी सदस्य राकेश ब्रह्मा डोलबारी गांव में बीटीसी सीईएम के साथ थे। इससे पहले दिन में, बीटीसी प्रमुख बोरो ने कदमटोल में बरामा कोल्ड स्टोरेज सुविधा का दौरा किया और कृषक समुदाय की सेवा के लिए इसकी तत्परता का निरीक्षण किया। 7,500 मीट्रिक टन की क्षमता वाले इस कोल्ड स्टोरेज का निर्माण बीटीसी, कोकराझाड़ के कृषि इंजीनियरिंग विंग द्वारा किया गया था और 30 जून, 2021 को पूरा हुआ। इष्टतम कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान में सुविधा की मरम्मत की जा रही है।

संपादकीय

संविधान का मूल्य समझें

1949 में इसी दिन संविधान को अंगीकार किया गया था। 26 जनवरी, 1950 को 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर संविधान को विधिवत लागू किया गया। तभी से हम 'संवैधानिक राष्ट्र' हैं, लेकिन इसकी अवहेलना भी होती रही है, लिहाजा सवाल उठते रहे हैं कि भारत संविधान से चलेगा अथवा जाति-धर्म से..? संविधान की वैधानिक नैतिकता का सवाल बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों समुदायों के सामने है। हठ और पूर्वाग्रहों से संविधान की व्याख्या नहीं की जा सकती। इस बार 'संविधान दिवस' पर संसद की कार्यवाही स्थगित है। पुराने संसद भवन के 'सेंट्रल हॉल' में संविधान की 75वीं सालगिरह मनाई जानी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संबोधन होना था। उसके बाद संसद की कार्यवाही शुरू की जा सकती थी। एक दिन पहले ही संसद के शीतकालीन सत्र का आगाज हुआ है। उद्योगपति गौतम अडाणी के कथित घूसकांड पर विपक्ष ने जिद की और ऐसा हंगामा किया कि दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। यह संवैधानिक मूल्य नहीं है। एक उद्योगपति ही संसद नहीं है। अडाणी के खिलाफ अमरीकी अदालत ने वारंट जारी किया है। बेशक घूसकांड भारत के भीतर ही हुआ है, तो उसके लिए राज्य सरकारें केस दर्ज कर सकती हैं। अभी तक ऐसा क्यों नहीं हुआ? क्योंकि सरकारें अडाणी से करोड़ों का चंदा भी लेती हैं। सरकारी परियोजनाएं भी अडाणी ही चलाते हैं। कोई भी पार्टी हो, सभी की सरकारें इस हम्माम में नंगी हैं। दरअसल अडाणी के मुद्दे पर ही संसद में बहस की जिद और हंगामे का औचित्य क्या है? कई और मुद्दे भी संसद के सामने हैं, जिन पर प्राथमिकता से विमर्श किया जाना चाहिए। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े 'अडाणी कांड' पर ही उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ से उलझते रहे, जबकि सभापति अडाणी मुद्दे पर सभी 13 नोटिस खारिज कर चुके थे। संविधान के संचालक सभापति और लोकसभा अध्यक्ष भी हैं और नेता प्रतिपक्ष समेत सांसद भी हैं, लेकिन संवैधानिक नैतिकता क्या है? जब संविधान को अंगीकार किया गया था, तब संविधान-शिल्पी डॉ. भीमराव अंबेडकर ऐसे ही विरोधाभासों को लेकर चिंतित थे। वह राजनीतिक समानता को लेकर, काफी हद तक, आश्वस्त थे, लेकिन सामाजिक-आर्थिक असमानताओं के मद्देनजर चिंतित थे। अंबेडकर ने कहा था-संविधान महज एक किताब नहीं, बल्कि संपूर्ण देश, नागरिक समाज और उसके नैतिक मूल्य भी हैं। संविधान कितना भी अच्छा हो और तमाम समताओं का पैरोकार हो, लेकिन यह गलत लोगों में फंस गया, तो यह बुरा भी साबित हो सकता है। यदि संविधान को लागू करने वाले अच्छे हैं और संविधान में निहित नागरिक, मानवीय मूल्यों को समझते हैं, तो संविधान कितना भी बुरा हो, अंततः वह सार्थक ही साबित होगा।' बहरहाल आज बाबा अंबेडकर की उन्हीं चिंताओं को समझने का दिन है। 'संविधान दिवस' से एक दिन पहले प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की न्यायिक पीठ ने संविधान की प्रस्तावना में 42वें संशोधन के तहत 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने से इंकार कर दिया है और तमाम याचिकाओं को खारिज कर दिया है। संसद को संविधान की प्रस्तावना में संशोधन की भी शक्ति प्राप्त है। अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन की शक्ति प्रस्तावना तक भी फैली है। संविधान और संसद के इस रिश्ते को समझना बेहद जरूरी है। यह इतना गौरतलब नहीं है कि संसद की प्रति मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपए खर्च होते हैं। यह खर्च 1.5 करोड़ रुपए प्रति घंटा बनता है। कमोबेश 'संविधान दिवस' की 75वीं सालगिरह पर पूरी संसद को यह एहसास होना चाहिए कि हंगामा कर संसद को ठप करना कितना संविधान-विरोधी है! संविधान दिवस स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और न्याय के मूल्यों के प्रति देश के औसत नागरिक के भीतर कत्र्तव्य-बोध जगाता है। यह हमें याद दिलाता है कि संविधान देश के नागरिक के लिए है और उन मूल्यों की वकालत करता है, जो किसी व्यक्ति को लोकतंत्र में सुरक्षा और सम्मान के साथ जीने की संभावना देते हैं। देश को आज के दिन इन मूल्यों को समझना चाहिए।

हठ और पूर्वाग्रहों से संविधान की व्याख्या नहीं की जा सकती। इस बार 'संविधान दिवस' पर संसद की कार्यवाही स्थगित है। पुराने संसद भवन के 'सेंट्रल हॉल' में संविधान की 75वीं सालगिरह मनाई जानी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संबोधन होना था। उसके बाद संसद की कार्यवाही शुरू की जा सकती थी। एक दिन पहले ही संसद के शीतकालीन सत्र का आगाज हुआ है। उद्योगपति गौतम अडाणी के कथित घूसकांड पर विपक्ष ने जिद की और ऐसा हंगामा किया कि दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। यह संवैधानिक मूल्य नहीं है। एक उद्योगपति ही संसद नहीं है। अडाणी के खिलाफ अमरीकी अदालत ने वारंट जारी किया है। बेशक घूसकांड भारत के भीतर ही हुआ है, तो उसके लिए राज्य सरकारें केस दर्ज कर सकती हैं।

ुबई से नशा तस्कर, ड्रग्स माफिया भी भारत में आज सक्रिय हैं

नशे का जाल ,बुरा हो रहा है हाल

सुनील कुमार महला

पहले देश में पंजाब को नशे का बड़ा केंद्र माना जाता था लेकिन आज राजधानी दिल्ली, राजस्थान की शिक्षा नगरी कहलाने वाले सीकर और कोटा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मुंबई, पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र गोवा,केरल के साथ-साथ लगभग लगभग संपूर्ण भारत में ड्रग्स तस्कर, ड्रग्स माफिया, दलाल, ड्रग्स सप्लायर सक्रिय हैं। सीकर और कोटा में आज लाखों बच्चे नीट, जेईई परीक्षा की तैयारी करते हैं, और आज बहुत से बच्चों को ड्रग्स माफिया उनका तनाव, अवसाद कम करने व पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने के बहाने उन्हें बहला-फुसला कर ड्रग्स से जोड़ रहे हैं।

पाकिस्तान अफगानिस्तान आतंकवाद के साथ ही देश-दुनिया में नशे का ज़हर घोल रहे हैं। दुबई से नशा तस्कर, ड्रग्स माफिया भी भारत में आज सक्रिय हैं। पहले देश में पंजाब को नशे का बड़ा केंद्र माना जाता था लेकिन आज राजधानी दिल्ली, राजस्थान की शिक्षा नगरी कहलाने वाले सीकर और कोटा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, मुंबई, पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र गोवा,केरल के साथ-साथ लगभग लगभग संपूर्ण भारत में ड्रग्स तस्कर, ड्रग्स माफिया, दलाल, ड्रग्स सप्लायर सक्रिय हैं। सीकर और कोटा में आज लाखों बच्चे नीट, जेईई परीक्षा की तैयारी करते हैं, और आज बहुत से बच्चों को ड्रग्स माफिया उनका तनाव, अवसाद कम करने व पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने के बहाने उन्हें बहला-फुसला कर ड्रग्स से जोड़ रहे हैं। आज बच्चों के कोचिंग, हास्टल, स्कूल बाहुल्य क्षेत्रों में आज नशे का बड़ा तगड़ा जाल फैला हुआ है। नशे में एमडी, गांजा, अफीम, स्मैक,चरस, हेरोइन , कोकीन, सिंथेटिक ड्रग्स जैसे खतरनाक नशे शामिल हैं। नशे की पुड़िया आज हमारी युवा पीढ़ी को जड़ से बर्बाद करने पर तुली है। आज हालात यह हैं कि सौ रुपए से लेकर हजारों रूपए तक खुलेआम नशा बिक रहा है। चाय की थड़ियों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, शहर की पाश कालोनियों में नशे के दलाल सक्रिय हैं। गुटखा, तंबाकू पदार्थ बेचने वालों के साथ ही में मेडिकल स्टोर्स तक इसमें शामिल हों, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। आज खाली पड़े पार्कों, सुनसान जगहों, रेलवे स्टेशनों पर दूर तक फैले प्लेटफार्मों को ये ड्रग्स माफिया और तस्कर निशाना बनाते हैं और वहां से अपना नशे का गंदा धंधा जारी रखते हैं। हाल ही में हिंदी के एक अत्यंत प्रतिष्ठित दैनिक के हवाले से यह खबरें भी आईं हैं कि पुलिस तक के कुछ अधिकारियों की भी इसमें मिलीभगत है और उनको उनका हफ्ता टाइम पर इन ड्रग्स माफिया और तस्करों द्वारा पहुंचाया जाता है ताकि उन्हें नशे का जाल शहर में फैलाने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत या परेशानियों को सामना न करना पड़े। पहले देश में सिर्फ पंजाब ही नशे में उड़ रहा था, लेकिन आज देश के बहुत से क्षेत्र नशे में उड़ते नजर आ रहे हैं। पंजाब से लगते राजस्थान के हनुमानगढ़ और गंगानगर क्षेत्र भी नशे से अछूते नहीं हैं, जैसा कि गंगानगर क्षेत्र पंजाब और पाकिस्तान से तथा हनुमानगढ़ पंजाब से जुड़ा है। पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन को नशे के लिए इस्तेमाल कर रहा है, अनेक बार सीमा सुरक्षा बल ने ड्रोनों को

ध्वस्त करने की कार्रवाई भी की है। आज यहां नशे के इंजेक्शन, चिट्टा, अफीम, गांजा,चरस और न जाने कितने प्रकार के महंगे से महंगे नशे आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। इस आशय की खबरें तो आए दिन मीडिया की सुर्खियों में रहतीं ही हैं, जो इस बात का पुख्ता सबूत है कि आज देश "उड़ता देश" बनने की कगार पर है। युवा पीढ़ी जो नशा करती है,उनमें युवा महिलाओं की संख्या भी काफी है। तंबाकू और शराब का नशा तो आम ही है। युवाओं में सूंघने वाला भी नशा आज खूब प्रचलन में है। भारत ही नहीं दुनिया में नशे के आंकड़े बहुत ही भयावह हैं। एक आंकड़े के अनुसार 1.1 करोड़ लोग आज इंजेक्शन से नशा करते हैं, जिसमें से 13 लाख को एचआईवी है। 55 लाख को हेपेटाइटिस सी की बीमारी है। और लगभग 10 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें एचआईवी और हेपेटाइटिस सी दोनों है। ड्रग वार डिस्टॉर्सन और वर्डोमीटर की एक रिपोर्ट के अनुसार पूरी दुनिया में मादक पदार्थों का अवैध व्यापार सालाना लगभग 30 लाख करोड़ रुपए का है। वहीं नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट (एनडीडीटी), एम्स की वर्ष 2019 की रिपोर्ट बताती है कि अकेले भारत में ही लगभग 16 करोड़ लोग शराब का नशा करते हैं। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश की लगभग 20 प्रतिशत आबादी (10-75 वर्ष के बीच की) विभिन्न प्रकार के नशे की चपेट में है। हाल ही में नवंबर 2024 में ही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने राजधानी दिल्ली में 80 किलो से अधिक कोकीन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 900 करोड़ रुपये है। इसी दिन भारतीय नौसेना, गुजरात एटीएस और एनसीबी ने गुजरात तट पर 700 किलो मेथामफेटामिन पकड़ी है और इस मामले में आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में भी दिल्ली पुलिस ने पश्चिम दिल्ली के गोदाम से 200 किलो कोकीन जब्त की थी, जिसकी कीमत करीब 2400 करोड़ रुपये बताई गई थी। इससे पहले 1 अक्टूबर को दिल्ली के ही महिपालपुर से 562 किलोग्राम कोकीन की भी बरामदगी हुई थी। दोनों ही मामले में इंटरनेशनल ड्रग कार्टेल का सरगना एक ही व्यक्ति है, जो दुबई से जुड़ा था। पंजाब की बात करें तो पिछले कुछ महीनों में ही पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। हाल ही में 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि पंजाब पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान के तथाकथित गोल्डेन क्रेसेंट से तस्करी कर लाई गई नशीली दवाओं का एक पारगमन बिंदु (ट्रांजिट प्वाईंट) तथा बाजार दोनों ही है। देवभूमि हिमाचल में भी हिमाचल पुलिस ने 10 पुलिस जिलों में दबिश के दौरान अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में सात गिरफ्तारियां कीं हैं और 10 किलो चरस सहित 100 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। गुजरात की बात करें तो कुछ समय पहले ही गुजरात में नेवी, एनसीबी, गुजरात पुलिस और एटीएस की संयुक्त टीम ने ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी है और 700 किलो मेथामफेटामाइन के साथ 8 ईरानी नागरिकों को एक नाव से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए ड्रग्स की कीमत करीब 3500 करोड़ रुपये बताई गई थी। इस साल मई माह में केरल में हाई क्वालिटी की जब्त की गई 2525 किलोग्राम मेथमफेटामाइन ड्रग्स की कीमत पच्चीस हजार करोड़ रुपए बताई गई है, जो दर्शाता है कि उच्च साक्षरता दर के बावजूद केरल जैसा राज्य भी नशे की भयंकर गिरफ्त में है। आज नशा तस्कर नशे को फ़ैलाने के लिए तकनीक का सहारा ले रहे हैं मसलन ड्रोन तस्करी, कोड वर्ड, सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग इनके द्वारा किया जा रहा है। हालांकि ,सरकार समेत माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी देश में मादक पदार्थों की लत के दुषपरिणामों और इसके बढ़ते प्रसार को संज्ञान में लिया है। जन जागरूकता अभियान, नशा मुक्ति व पुनर्वास और नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है लेकिन बावजूद इसके भी इंडिया अब उड़ता इंडिया बनता चला जा रहा है। आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है।

दृष्टि कोण

श्रीकृष्ण जी की शिक्षाओं की प्रासंगिकता

भगवान श्रीकृष्ण जी ने आज से लगभग 5154 वर्ष पहले महाभारत के युद्ध में जो गीता का संदेश दिया वह आज भी अतुलनीय है, अनुपम है और आज के समय के लिए श्रीकृष्ण का संदेश उतना ही सार्थक और मार्गदर्शक है जितना पांच हजार वर्ष पूर्व था। गीता के समकक्ष विश्व का संभवतः कोई भी ग्रंथ नहीं बन पाया। विश्व भर के विद्वानों ने गीता ग्रंथ की सराहना की है, इसे अनुपम माना है। भारत के प्रख्यात साहित्यकार एवं राष्ट्रभक्त श्री बंकिम चंद्र चटोपाध्याय जी ने गीता के विषय में यह कहा है- 'गीता को धर्म का सर्वोत्तम ग्रंथ मानने का यही कारण है कि उसमें ज्ञान, कर्म और भक्ति तीनों योगों की न्याययुक्त व्याख्या है। अन्य किसी भी ग्रंथ से इसका सामंजस्य नहीं है। ऐसा अपूर्व धर्म, ऐसा अपूर्व ऐक्य केवल गीता में ही दृष्टिगोचर होता है। ऐसी अद्भुत धर्म व्याख्या किसी भी देश में और किसी भी काल में किसी ने भी की हो, ऐसा ज्ञात नहीं। ऐसा उदार और उत्तम भक्तिवाद जगत में और कहीं भी नहीं है। गीता के लिए ही उत्तरप्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश जी ने यह भी कहा था कि इसे राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाए और सभी विद्यार्थियों को इसका अध्ययन करना चाहिए या संस्थाओं में इसे पढ़ाया जाना चाहिए। अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में क्या कहा? अगर सरल भाषा में हम कहें, आम जन जिसे समझ सके, उस ढंग से श्रीकृष्ण जी के संदेश को प्रस्तुत किया जाए, तो सभी यह जान सकते हैं कि श्रीकृष्ण जी क्या थे, क्या कहते थे। वैसे उनका जीवन ही समभाव और समरसता का था। कौन नहीं जानता कि वे अपने बचपन में गोकुल के ग्वाल, बाल बालों के साथ खेलते थे, उनमें कहीं भी छोटे-बड़े का भाव नहीं था। मां के हाथ के कढ़ी-चावल बच्चों में बांटकर खाते थे। कुछ अनभिज्ञ लोग चाहे यह कहें कि वे माखन चोरी करते थे, पर वास्तविकता यह है कि नंद गांव और गोकुल का सारा दूध-दही कंस डंडे के बल से मथुरा मंगवा लेता था और भगवान श्रीकृष्ण जी ने ग्वाल बालों के साथ मिलकर एक ऐसा संगठन बनाया जो गोकुल का माखन गोकुल के बच्चों को खिलाते थे और कंस के हाथों में गोकुल, नंदगांव की शक्ति न जाए, इसका पूरा प्रयास नन्हा-मुन्ना कृष्ण करने लगा। जातिगत भेदभाव तो श्रीकृष्ण जी ने कभी स्वीकार ही नहीं किया। उन्होंने गीता में कहा है कि गीता के चतुर्थ अध्याय के 13वें श्लोक में गुणों और कर्मों के अनुसार ही रचे गए मुझसे हैं, ये वर्ण चार। इसी प्रकार जाति-धर्म आदि के आधार पर जो विद्वान भेदभाव करते हैं, उनको भगवान श्रीकृष्ण जी ने पंडित नहीं कहा। उनका यह कहना है कि विद्या विनय संपन्न ब्राह्मण, गाय, हाथी, चाण्डाल और श्वान को जो समदृष्टि से देखता है, वही पंडित है। आज हमारे देश और दुनिया में राजनेता भी और धार्मिक नेता भी जाति-पाति के आधार पर बहुत भेद करते हैं। राजनीति तो लोगों को बांटकर ही चलती है। जात-पात, प्रांत-भाषा के आधार पर देश को बांटना, दुनिया में हिंसा या घृणा फैलाना किसी भी तरह श्रीकृष्ण जी को स्वीकार नहीं था। इसीलिए आज हमारा देश गीता का देश है, श्रीकृष्ण का देश है, उन्हें गुणों से ही व्यक्ति का सम्मान करना और समाज में स्थान देना चाहिए, जाति, धर्म या जन्म के आधार पर नहीं। श्रीकृष्ण जी ने जो कहा, उसका सार यह है : विद्या विनय युक्त ब्राह्मण है जो

गाय, हाथी, कुत्ता या चाण्डाल हो
समदर्शी बनकर सदा ज्ञानवान
देखें सभी को ही वे एक समान।।

आज भी देश के सभी विद्वान यह जानते हैं कि शिक्षा के साथ ही देश का विकास हो सकता है, नागरिक लोकतंत्र के सही अधिकारी भी शिक्षा से ही हो सकते हैं। इसके साथ ही पेट भर रोटी सबको मिले। कौन नहीं जानता कि आज भी देश में अनपढ़ों की बड़ी फौज है और फुटपाथ पर सोने तथा रात को भूखे रहने वाले भी करोड़ों हैं। इसलिए भगवान श्रीकृष्ण जी ने दान-यज्ञ और जप-यज्ञ की बात की है। दान-यज्ञ से भी श्रेष्ठ उन्होंने जप-यज्ञ को बताया है। यहां यज्ञ का अभिप्राय वह नहीं जो लोग आज भी यज्ञ के बारे में सोचते हैं। यज्ञ का अर्थ है जो भी ईश्वर ने दिया है, उसे बांट कर खाओ और विद्या ज्ञान का दान करो। जिसे विद्या प्राप्त हो जाएगी, वह अपने जीवन के सारे साधन स्वयं जुटा सकेगा। फुटपाथ पर भूखे नहीं सोना पड़ेगा। उससे भी बड़ी बात, सोना-चांदी, मान-अपमान, लाभ-अलाभ को एक जैसा जानें। आज समाज में क्या हो रहा है, बड़े-बड़े अधिकारी, उच्च पदस्थ लोग, धनवान अधिक से अधिक धन कमाने के लिए कई प्रकार के अपराध करते हैं।

कुछ अलग

चरण कमल बंदौ रीडराई

हे श्रीरीडर! मैं एक मिलीमीटर हाइट का राइटर पेन की गहराइयों से तुम्हारे चरण कमलों की वंदना करता हूं। तुम्हारी कृपा से अलेखक भी सलेखक के पद को प्राप्त हो जाता है। तुम्हारी कृपा से अंगूठा भर लेखक को बिन लिखे पुरस्कार दिखने लगता है। हे श्री रीडर! तुम महान हो! तुम हर राइटर की जान हो। राइटर सा होने के बाद भी मुझे पता चल गया है कि श्रीरीडर के बिना मूर्धन्य से लेकर स्वनामधन्य तक किसी भी किस्म के राइटर की सद्गति तो छोड़ो, रूटीन की गति भी संभव नहीं। केवल दुर्गति ही दुर्गति है। हे श्रीरीडर! मैं पांव तुम जूता हो। हे श्रीरीडर! तुम स्वामी हम कुत्ता हो। हे श्रीरीडर! हम फोन तुम डाटा हो, हे श्रीरीडर! हम राशनकार्ड तुम डाटा हो। हे श्रीरीडर! तुम न हो तो सरकारी पुस्तकालयों की लाइब्रेरियों में थोक में अपने अपने चहेतों की खरीदी किताबें श्रीरीडर के बदले दीमक द्वारा चाट दी जाती हैं। हे श्रीरीडर! तुम हर किस्म के राइटर की जान हो। हे श्रीरीडर! तुम हर किस्म के राइटर की शान हो। लुच्चे से लुच्चा राइटर भी तुम्हारी पावर का लोहा वैसे ही मानता है जैसे कहने के लोकतंत्र में ही सही, अरबपति से अरबपति जनसेवक भी वोटर की पावर का लोहा मानता है। जिसके पास श्रीरीडर नहीं, वह राइटर महान हो ही नहीं सकता। कितनी भी कोशिश कर ले तो कर ले। वह फेसबुक पर अपने को महान बताता फिरे तो बताता फिरे। सोशल मीडिया पर मैं महान राइटर हूं! मैं महान राइटर हूं! चिल्लाता हो तो चिल्लाता फिरे। हे श्रीरीडर! जो रोल चाय में चाय पत्ती का होता है, वही रोल राइटिंग में श्रीरीडर का होता है। चाय बिन चीनी के चल सकती है। चाय बिन दूध के चल सकती है। चाय बिन पानी के भी चल सकती है। पर चाय चायपत्ती के बिना जिस तरह बिल्कुल नहीं चल सकती, उसी तरह राइटर श्रीरीडर के बिना बिल्कुल भी नहीं चल सकता। राइटर चोली है तो श्रीरीडर दामन है। राइटर बलि है तो श्रीरीडर वामन है। जिस तरह भगवान भक्त के बिना एक कदम भी नहीं चल सकते, उसी तरह श्रीरीडर के बिना राइटर एक कदम भी नहीं चल सकता। हे श्रीरीडर! जिस तरह बिन नमक दाल दाल होते हुए भी दाल नहीं होती, उसी तरह बिन श्रीरीडर के बिना राइटिंग राइटिंग होते हुए भी राइटिंग नहीं होती। रोटी आटे के बिना पक सकती है, पर राइटर श्रीरीडर के बिना नहीं पक सकता। बच्चा मां के बिना पल सकता है, पर राइटर श्रीरीडर के बिना नहीं पल सकता है। श्रीरीडर राइटर का दूध है। श्रीरीडर राइटर का सूप है। श्रीरीडर जून महीने की दोपहरी में राइटर की छांव है, श्रीरीडर दिसंबर की बर्फानी रात में राइटर की चिलचिलाती धूप है। हे श्रीरीडर! राइटर संपादक के बिना राइटर चल सकता है। हे श्रीरीडर! प्रकाशन बिना राइटर के चल सकता है। हे श्रीरीडर! आलोचक के बिना राइटर मस्त मस्त रह सकता है, पर हे श्रीरीडर! तुम्हारे बिना वह एक पल भी नहीं रह सकता। तुम हर किस्म के राइटर की संजीवनी हो। एक सच्चे राइटर के तुम ही प्रकाशक हो, एक सच्चे राइटर के तुम ही संपादक हो, एक सच्चे राइटर के तुम ही समीक्षक हो। जिस तरह हर किस्म के पति को इधर उधर की बीवियों के पास भटकने के बाद भी अपनी बीवी के चरणों में ही मुक्ति मिलती है, उसी तरह हर किस्म के राइटर को इधर उधर भटकने के बाद अंततः तुम्हारे श्रीचरणों का आशीर्वाद मिलने पर ही मुक्ति मिलती है। हे श्रीरीडर! तुम्हारी जिस राइटर पर कृपा हो जाए, वह कालजयी हो जाए है। हे श्रीरीडर! तुम्हारी जिस राइटर पर कृपा हो जाए वह फुल टाइम मूंगफलियां बेचने के बाद भी मालजयी हो जाए। हे श्रीरीडर! आज बाजार में सब कुछ मिल जाता है।

देश दुनीया से

गांव- गांव संविधान के निहितार्थ

संविधान दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार ने गांव-गांव संविधान का संदेश पहुंचने का निर्णय लिया है,यह बहुत महत्वपूर्ण है। भारतवर्ष गांवों का देश है। इन गांवों में रहने वाला सामान्य नागरिक भी देश का महत्वपूर्ण अंग है। एक ओर वह चुनावों में मतदान के माध्यम से सरकार चुनकर भूमिका निभाता है तो वहीं दूसरी ओर अपने कार्य- व्यवसाय अथवा परिश्रम के द्वारा राष्ट्र निर्माण में भी योगदान करता है। विगत कुछ समय से भारतीय राजनीति में विपक्षी दल संविधान को हथियार बनाकर भिन्न-भिन्न प्रकार के भ्रम फैला रहे हैं। संविधान खतरे में है, संविधान खत्म कर दिया जाएगा, संविधान बचाओ अभियान आदि अनेक मुहिम विपक्ष की राजनीतिक लोलुपता के कारण निरंतर चल रही हैं। आज यह समझने की आवश्यकता है कि संविधान एक ऐसा ग्रंथ है जो भारतवर्ष की समुचित शासन व्यवस्थाओं को निर्देशित और नियंत्रित करता है। यह कोई खिलौना या वस्त्र नहीं है, जिसे कोई खत्म कर दे अथवा खतरे में डाल दे। आज यह आवश्यक है कि गांव में रहने वाला एक सामान्य व्यक्ति भी संविधान के सही अर्थों को समझे, संविधान की उद्देशिका का क्या संदेश है? इसकी जानकारी उसे भी हो। साथ ही संविधान में प्रत्येक नागरिक के लिए विभिन्न अधिकारों और कर्तव्य का प्रविधान है। गांव का व्यक्ति भी उनसे परिचित हो सके इस निमित्त यह गांव-गांव संविधान का निर्णय अथवा अभियान महत्वपूर्ण है। समाचारों के अनुसार ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब संविधान दिवस पर देश की सभी ग्राम पंचायतों में संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। पंचायती राज मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्राम सभाओं सहित अन्य गतिविधियों को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं। ध्यातव्य है कि 26 नवंबर को देशभर में संविधान दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर राजधानी दिल्ली में अनेक कार्यक्रम होने सुनिश्चित हुए हैं। पंचायती राज मंत्रालय ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखकर आयोजन संबंधी दिशा निर्देश दिए हैं। संविधान को लेकर इस दिन सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएंगी। संबंधित पंचायत के ग्रामीण ही ग्राम पंचायत सदस्य होते हैं इसलिए उन सभी को आमंत्रित कर संविधान की शपथ दिलाई जाएगी। स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान कर देश की स्वतंत्रता में उनके योगदान का उल्लेख वक्तागण करें। ग्राम पंचायत क्षेत्र के स्कूल-कॉलेजों में संवैधानिक मूल्यों पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर सभी ग्राम पंचायतों व स्वयं सहायता समूहों को साथ जोड़कर चर्चा करने के लिए कहा गया है। आदिवासी बहुलता वाले अधिसूचित राज्यों के गांवों में अलग से कार्यक्रम करने के निर्देश हैं। यह बड़ा विचार और संकल्प है। मेरे सपनों का भारत नामक पुस्तक में गांधी जी ने गांवों की ओर, ग्राम स्वराज, पंचायत राज, ग्रामोद्योग, ग्राम प्रदर्शनियां, गांवों की सफाई, गांवों का आरोग्य,गांवों का आहार व ग्राम सेवक आदि अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चिंतन और लेखन किया है। यह भी सर्वविदित है कि दसता के कालखंड में सर्वाधिक शोषण व अत्याचारों के शिकार गांववासी ही हुए और स्वतंत्रता संग्राम में भी सर्वाधिक भूमिका गांवों की ही रही। स्वतंत्रता के बाद 26 जनवरी 1950 में संविधान लागू होने के बाद पंचवर्षीय योजनाएं तो चली, लेकिन गांव उपेक्षित ही रहे। अनेक योजनाएं व्यवस्थित भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। गांव उत्पादन और निर्माण तो करते रहे, लेकिन विकास की मुख्य धारा से दूर ही रहे। शासन व्यवस्था में बैठे लोगों ने लोकतंत्र को परिवारतंत्र बना दिया। केवल चुनाव के समय ये गांव राजनीतिक टूरिज्म का केंद्र बनते रहे। केवल चुनाव के समय उनकी बदहाली पर आंसू बहाए जाते थे। अधिकांश नेता गांवों से दूर महानगरों में ऐश्वर्य का जीवन जीते रहे और चुनाव के समय भोली जनता को मोहक नारों से छलते और गुमराह करते रहे। विगत कुछ वर्षों में ज्ञान-विज्ञान और सूचना-तकनीक का तेजी से विकास और विस्तार हुआ है। आज सुदूर गांव देहात में भी टेलीविजन, कंप्यूटर और मोबाइल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। फलस्वरूप अब गांव की जड़ता टूट रही है। गांव में रहने वाला सामान्य व्यक्ति भी मुख्य धारा से जुड़ना चाहता है। विगत कुछ वर्षों में राजनीतिक नेतृत्व में परिवर्तन के साथ-साथ गांव की स्थिति में भी बदलाव आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्रामोदय से भारतोदय के संकल्प को तेजी से आगे बढ़ाते हुए काम कर रहे हैं। अब देश के लाखों गांव बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, शौचालय, उन्नत कृषि, पशुपालन व मधुमक्खी पालन आदि से जुड़कर जहां मूलभूत सुविधाएं पा रहे हैं वहीं रोजगार के नए अवसरों तक भी पहुंच रहे हैं। देश की विभिन्न पंचायतें इंटरनेट से जुड़ रही हैं। अनेक गांव स्वयं के प्रयासों से और सरकारी सहायता से उन्नत हो रहे हैं। ऐसे में संविधान का संदेश ग्रामवासियों को भ्रम- भय से दूर करके नवजागरण हेतु प्रेरित करेगा। समाचारों के अनुसार खेल व युवा मामलों के मंत्रालय द्वारा भी संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान पदयात्रा और विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई गई है। इस कार्यक्रम में हजारों युवा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगे, ऐसे भी समाचार हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम सराहनीय तो हैं ही लेकिन यह भी आवश्यक है कि संविधान की प्रस्तावना के सही अर्थ जन-जन तक पहुंचे। यह विडंबना ही है कि विगत कुछ वर्षों से राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति हेतु कुछ लोग युवाओं और सामान्य लोगों को देश के विरुद्ध खड़ा करने का भी प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में युवाओं में संविधान की प्रस्तावना का पाठ और गांव-गांव संविधान का संदेश जन जागरण के साथ-साथ राष्ट्र शक्ति को संगठित करने का भी काम करेगा।

आप का नजरीया

सार्वजनिक जमीन से कमाई

जमीन पर मकसद उगाने के लिए नवाचार चाहिए या इस्तेमाल की गई दौलत को उत्पाद चाहिए। कुछ इसी तरह का अनूठा प्रयास एचपीएमसी करने जा रही है। कभी बड़ी शिद्दत से कोलकाता में निगम ने तीन एकड़ जमीन खरीदी थी, ताकि कोल्ड स्टोर की शृंखला में हिमाचल की बागबानी को सहारा मिले। यह उद्देश्य उस जमीन पर खड़ा नहीं हो सका, लेकिन यह सफेद हाथी हमेशा निगम की आंख में किरकिरी बनकर रहा। जमीन को बेचने के प्रस्तावों के बीच अब निगम अपनी आय बढ़ाने का ऐसा अवसर खोज रहा है, जो आर्थिकी की नई पैरवी सरीखा है। कोलकाता की तीन एकड़ जमीन पर एचपीएमसी अपने किसी बिजनेस पार्टनर के साथ आईटी पार्क स्थापित करके हर महीने किराया वसूलने की योजना पर काम कर रहा है। संसाधनों की पैकेजिंग में फल विधायन से सूचना प्रौद्योगिकी तक पहुंचे एचपीएमसी के कदम दरअसल अतिरिक्त कमाने की तड़प है। इसी भावना से अगर अन्य निगम भी अपनी क्षमता में वैविध्य लाएं तो कई कमाऊ रास्ते चुनने का नवाचार दृष्टिगोचर होगा। आय की पैकेजिंग के लिए हाथ-पांव मारने पड़ेंगे। उदाहरण के लिए नाहन फाउंड्री अपने अच्छे दिनों की कहानी में हिमाचल का एक सफल उपक्रम रही है, लेकिन प्रबंधकीय चुनौतियों के सरल उपायों ने इसकी क्षमता को क्षीण कर दिया। इस उपक्रम की बेहद कीमती जमीन बाहरी राज्यों में स्थित थी, लेकिन घाटों के एवज में इसे बेचकर कमाने का जरिया सीमित कर दिया। इसी तरह मिल्क फेडरेशन साल में एक या दो बार मिठाई या गजक के उत्पादन में आर्थिक जगह तलाशती है, लेकिन बाद में ग्राहकों की रुचि में शून्यता भर देती है। कायदे से दुग्ध उत्पादों में अगर कुछ पाना है, तो कई उत्पाद निरंतरता के साथ जोडऩे पड़ेंगे। एक दौर था जब एचपीएमसी भी अपने उत्पादों के कारण राष्ट्रीय स्तर की मार्केटिंग करता था। तब देश के हर बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर एचपीएमसी के जूस बार इसके उत्पादों को राष्ट्रीय पेय बनाते थे। अब मशीनरी घिस गई है या उपभोक्ताओं के बदलते बाजार को सरकारी उपक्रम समझ नहीं पा रहे। दरअसल हिमाचल के सरकारी स्वभाव में न आर एंड डी और न ही नवाचार के प्रति कोई चेतना है। एक ढर्रे के तहत सारे निगम अपने मुख्यालय यानी शिमला में पुराने पन्नों को सुर्ख करते रहते हैं। अब समय आ गया है कि प्रदेश के समस्त बोर्ड व निगमों के मुख्यालय शिमला से स्थानांतरित करके इनको उत्पादन क्षेत्रों को भेजा जाए। एचपीएमसी का मुख्यालय परवाणू प्रोसेसिंग प्लांट के साथ जोड़ा जाना चाहिए, तो मिल्क फेडरेशन को ढगवार के प्रस्तावित मिल्क प्लांट में स्थायी स्थान मिलना चाहिए। एचआरटीसी का मुख्यालय हमीरपुर या ऊना में होना चाहिए, तो विद्युत बोर्ड पूरी तरह सुंदरनगर स्थानांतरित हो जाना चाहिए। प्रदेश शिमला में सरकार का घर तो तराश सकता है, लेकिन घर चलाने की शक्ति उसे राजधानी के बाहर जिला मुख्यालयों पर मिलेगी। उद्योग और वित्त से जुड़े निगमों को बीबीएन में अपने मुख्यालय स्थापित करने चाहिएं।

मेवाड़ पूर्व राजपरिवार विवाद: धूणी दर्शन नहीं हुए एकलिंगजी के दर्शन कर शोक भंग की रस्म पूरी

उदयपुर (हिंस)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के विश्वराज सिंह मेवाड़ के चित्तौड़गढ़ के फतह प्रकाश महल में 25 नवंबर को परंपरागत राजतिलक की रस्म के बाद उदयपुर के सिटी पैलेस में प्रयागगिरि महाराज की धूणी के दर्शन में अड़चन के चलते बुधवार को एकलिंगनाथ महादेव के दर्शन कर शोक भंग की रस्म पूरी की गई। परंपरा है कि राजतिलक के उपरांत उदयपुर सिटी पैलेस में स्थित प्रयागगिरि महाराज की धूणी के दर्शन करने जाते हैं और वहीं पर कुलदेवता बाणनाथजी के दर्शन भी करते हैं। इसके बाद कैलाशपुरी स्थित

एकलिंगनाथ महादेव मंदिर में दर्शन कर शोक भंग की रस्म की जाती है। पूर्व राजपरिवार में सम्पत्ति विवाद के चलते उदयपुर सिटी पैलेस में प्रवेश को लेकर सोमवार देर रात तक तनाव की स्थिति बनी रही थी। प्रशासन ने विवादित सम्पत्ति को कुर्क करने के साथ घंटाघर थानाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया था। लेकिन, मंगलवार को भी दोनों पक्षों में सकारात्मक स्थिति नहीं बन सकी और उदयपुर जिला कलेक्टर ने मंगलवार रात उदयपुर सिटी पैलेस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दी। इन परिस्थितियों में राजतिलक के बाद विश्वराज सिंह ने दर्शन नहीं करा पाने को प्रशासन का फेल्योर बताते हुए बुधवार सुबह 10 बजे भगवान एकलिंगनाथ के दर्शन का तय कर लिया। इसके तहत बुधवार सुबह अपने निवास स्थल समोर बाग पैलेस में अश्व पूजन के बाद वे एकलिंगजी पहुंचे और वहां दर्शन किए। वहां बड़ी संख्या में मौजूद समर्थकों ने एकलिंगनाथ के जयकारे लगाए। मंदिर में विश्वराज सिंह के साथ सीमित लोगों को ही प्रवेश दिया गया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल भी वहां व्यवस्था संभाले हुए थे। एकलिंगनाथ महादेव के गर्भगृह में परम्परानुसार विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई और पूर्व राजव्यवस्था की परंपरा के अनुरूप बड़ी सादड़ी ठिकाने से आई सोने-चांदी की छड़ी जिसे मेवाड़ के राजदंड (सेंगोल) के रूप में माना जाता है, उनके कंधे पर रखी गई। यह परंपरा इस बात का प्रतीक है कि मेवाड़ के राजा भगवान एकलिंगनाथ हैं और महाराणा उनके दीवान हैं।

धर्म परिवर्तन कराकर निकाह कराया, किशोरी बरामद व आरोपी फरार

हरदोई (हिंस)। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के दरियापुर विक्कू गांव में एक वर्ष पूर्व एक किशोरी दिल्ली से भगाकर लाई गई थी। जिसका धर्म परिवर्तन करा कर एक मस्जिद में निकाह किया गया। शिकायत पर एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया है। जबकि आरोपी फरार हो गया। शाहाबाद कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह के अनुसार दरियापुर बिक्कू गांव का रहने वाला हसन पुत्र गुलफाम दिल्ली में प्राइवेट स्कूल में पढ़ता था। किशोरी भी इस प्राइवेट स्कूल में पढ़ती थी। हसन ने किशोरी को अपने जाल में फंसाया और अपने गांव ले आया। यहां लाकर उसने उसका धर्म परिवर्तन कराया और उसके साथ निकाह कर लिया।

अलवर पुलिस ने बुजुर्ग दम्पती को बंधक बना लूटने वाले बदमाशों का निकाला जुलूस

अलवर (हिंस)। अलवर में स्कूल संचालक के बुजुर्ग माता-पिता को बंधक बनाकर लूटने वाले आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला। घर की नौकरानी ने प्रेमी के साथ मिलकर लूट का षडयंत्र रचा था। आरोपी नीलम और हांसी की लुटेरी गैंग के पांच बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। बुधवार को कोतवाली से लेकर घटनास्थल तक दो थानों के पुलिसकर्मियों ने बदमाशों का जुलूस निकाला। घटनास्थल पर पहुंचकर पूरी घटना का रिहर्सल किया गया। सीओ अंगद शर्मा ने बताया कि स्कीम एक में चिनार स्कूल के संचालक व सीए नीरज गर्ग के माता-पिता को बंधक बनाकर करीब 20 लाख रुपये के लूट की वारदात को अंजाम देने वाली नौकरानी सहित गैंग के छह बदमाशों को गिरफ्तार था।

बहन से अवैध संबंधों पर भिखारी ने की थी भिखारी की हत्या

जींद (हिंस)। सफीदों खंड के गांव पाजू खुर्द के पास बोरे में मिले शव की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। बुधवार शाम को हत्या का खुलासा करते हुए जांच अधिकारी उप निरीक्षक दीपक ने बताया कि हत्या करने के मामले में पुलिस ने दो महिलाओं सहित तीन आरोपी को काबू किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश हाल आबाद खानसर चौक निवासी अर्जुन पेमल व शबनम के रूप में हुई है। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। दोनों महिला आरोपियों को जिला जेल जींद भेज दिया है जबकि आरोपी अर्जुन का पांच दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। जिस दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी व हत्या करने के असल कारणों का पता लगाया जाएगा। प्रारंभिक पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ झुग्गी में रहता है। बनवारी उर्फ कल्लू उनके पास आया व उन्हीं के पास झुग्गी डाल कर रहने लगा। आरोपी अर्जुन व मृतक बनवारी उर्फ कल्लू दोनों भीख में मिले पैसों की शाम को शराब पी लेते थे। करीब छह महीने पहले अर्जुन की बहन व मृतक बनवारी वहां से भाग गए थे। कुछ दिन पहले वापस आ गए थे। 19 नवंबर को अर्जुन व कुल्लू ने शराब पी थी। जिसके बाद अर्जुन की बहन को लेकर अर्जुन व बनवारी का आपस में झगड़ा हो गया। अर्जुन ने वहां पड़ी ईंट से बनवारी ही हत्या कर दी। आरोपी अर्जुन ने लाश को खुर्द-बुर्द करने के लिए अपने परिवार के साथ मिलकर लाश को एक कपड़े में बांध कर योजना अनुसार असंध रोड पर सडक के किनारे फैंक दिया था। बतां दे कि 21 नवंबर को थाना सदर सफीदों को सूचना मिली कि सफीदों रोड पर गांव पाजू कलां के पास अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर उपनिरीक्षक दीपक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक लाश को कपड़े में चारों तरफ से सिलाई करके सड़क के किनारे डाल रखा थाए जिसकी नाक से खून बह रहा था। मौके पर मौजूद चौकीदार सत्यवान के बयान पर थाना सदर में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। एसपी राजेश कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया।

विधानसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को लेकर चर्चा की मांग पर विपक्ष का हंगामा

पटना (हिंस)। बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन विधानसभा में सदन की कार्रवाई शुरू होने के बाद प्रश्न उत्तर काल कार्य स्थगन प्रस्ताव में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को लेकर चर्चा की मांग की गई लेकिन विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने इस विषय पर चर्चा से इंकार कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह मामला भारत सरकार से जुड़ा हुआ है। इसलिए इसपर चर्चा से कोई मतलब यहां नहीं रह जाता। इसके बाद विपक्ष के विधायक सदन के अंदर हंगामा करने लगे। इस दौरान उन्होंने वर्तमान सरकार को तानाशाही सरकार बताया। सदन की कार्रवाई से पहले आज विधानसभा परिसर में बैनर-पोस्टर लेकर महागठबंधन के विधायकों ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। राजद विधायक व मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम साहिन ने कहा कि यह विधेयक केंद्र सरकार वापस ले। नीतीश कुमार इस पर चुप्पी तोड़ें। विधानसभा से खिलाफ में प्रस्ताव पारित करें। वक्फ की संपत्ति केंद्र सरकार हड़पना चाहती है। इसके बाद सदन की कार्रवाई भोजनावकाश तक के लिए स्थगित कर दी गई। भोजनावकाश के बाद सदन में घोसी के माले विधायक राम बली सिंह यादव ने विधानसभा में सरकार से सवाल पूछा के खेतों में अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने का वादा सरकार कबतक पूरा करेगी? राम बली सिंह यादव ने माधवपुर में खेतों के अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचने का मुद्दा सदन में उठाया। सरकार की तरफ से जवाब देते हुए जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि पानी अभी भी जा रहा है। अस्थाई ह्यूम पाइप आउटलेट बनाया गया है, जिससे पानी पहुंचाया जा रहा है। सरकार इसको लेकर पूरी तरह से मुस्तैद है कि जो नहरें हैं उसमें लाइनिंग का काम करा दिया जाए। नहरों को पक्का करा दिया जाए लेकिन उसमें अवरोध हो रहा है। उन्होंने माले विधायक से कहा कि वह आपका इलाका है, वहां सहयोग करिए कि खेतों के अंतिम छोर तक पूरा पानी पहुंचाया जा सके। मंत्री के जवाब देने के बाद माले विदायक ने कहा कि मंत्री को जिन अधिकारियों ने सूचना दी है कि पानी पहुंच रहा है, यह पूरी तरह से गलत है। वहां पानी जाने की शुरुआत ही नहीं हो सकी है, मंत्री इसकी जांच कराएंगे? तब मंत्री ने जबाव देते हुए कहा कि जब से विधायक काम शुरू करा देंगे और जहां तक जांच की बात है तो सरकार इसकी जांच कराएगी और जांच कमेटी में माले विधायक भी रहेंगे।

यूपी सरकार के मंत्री ने जिला जेल का किया निरीक्षण

जालौन (हिंस)। जिले के प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग उप्र संजय सिंह गंगवार ने जिला कारागार में विभिन्न बैरकों, अस्पताल, रसोई घर आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने जेल अधीक्षक और अन्य अधिकारियों से चर्चा की और कैदियों की स्थिति और जेल में चल रहे सुधारात्मक कार्यों की जानकारी प्राप्त की। प्रभारी मंत्री ने जेल परिसर में साफ-सफाई, कैदियों के लिए उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं का विशेष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने कैदियों से भी सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कैदियों से जेल के भीतर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने जेल में चल रहे विभिन्न सुधारात्मक कार्यक्रमों की सराहना की। इनमें कैदियों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे कौशल विकास कार्यक्रम और शिक्षा से संबंधित गतिविधियां शामिल थीं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम कैदियों के पुनर्वास और समाज में फिर से एक नई शुरुआत करने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने कैदियों को समय-समय पर कानूनी सहायता उपलब्ध कराने और उनकी मानसिक स्थिति को सुधारने के लिए परामर्श सेवाएं बढ़ाने पर जोर दिया। निर्देश दिए कि जेल में जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों को

सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं, साथ ही जेल की साफ-सफाई बनाए रखने व जेल में निरुद्ध कैदियों का बराबर मेडिकल चेकअप कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जेल सिर्फ सजा का स्थान नहीं है, बल्कि सुधार का केंद्र भी है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार जेलों में कैदियों के लिए मानवीय और सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कैदियों को बेहतर माहौल प्रदान करना न केवल उनके जीवन में बदलाव लाएगा, बल्कि समाज में अपराध की पुनरावृत्ति को भी रोकने में मदद करेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि जेल परिसर में किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री का प्रवेश न हो, उन्होंने इस सम्बंध में रोस्टर बनाकर प्रतिदिन जांच-पड़ताल करने का भी निर्देश दिया ताकि जेल में किसी भी प्रकार की अनियमितता का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, ब्लाक प्रमुख जालौन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार मौजूद रहे।

नवादा में फर्जी अपहरणकांड का खुलासा, तीन अपराधी गिरफ्तार

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के कौआकोल थाना की पुलिस ने एक व्यक्ति का फर्जी अपहरण कांड का 24 घंटे के अंदर खुलासा किया है। पुलिस ने इस फर्जी अपहरण कांड का खुलासा करते हुए बुधवार को तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। नवादा के कौआकोल थाना क्षेत्र के सेखोदेवरा गांव के निवासी मनीष कुमार ने 25 नवंबर को कौआकोल थाने में अपने एक रिश्तेदार सुजीत कुमार के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने बताया था कि रिश्तेदार रंजित कुमार द्वारा सुजीत कुमार का अपहरण कर लिया गया है। बता दें कि 6 मई 2021 को जमुई जिले के चंद्रदीप थाना क्षेत्र के सगमा गांव के निवासी सुजीत कुमार ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी, जिसका जमुई जिला के चंद्रदीप थाना कांड संख्या 44/21 दर्ज है। इसी कांड में आरोपी होने के कारण सुजीत कुमार करीब 27 माह जेल में रहने के बाद कुछ महीने पूर्व जेल से बाहर आया था। जेल से बाहर आने के बाद उसने इस कांड के गवाह अपने साढू रंजीत कुमार को गवाही देने से मना किया। लेकिन वह नहीं माना था, जिसके बाद सुजीत ने उसे फंसाने की साजिश के तहत खुद के अपहरण की साजिश रच डाला। सुजीत ने खुद ही अपने सगे संबंधियों के साथ मिलकर झूठी अपहरण की कहानी रची थी और स्थानीय थाने में फर्जी अपहरण का कांड दर्ज करवाया था।

इंडिगो एयरलाइंस के विमान की जयपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर (हिंस)। यात्रा में सफर के दौरान यात्री की तबीयत बिगड़ने पर जयपुर एयरपोर्ट पर बुधवार दोपहर इंडिगो एयरलाइंस विमान की इमरजेंसी लैंडिग करवाई गई। विमान देहरादून से पुणे जा रहा था। मेडिकल इमरजेंसी की जानकारी पायलट ने जयपुर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद दोपहर लगभग दो बजकर बीस मिनट पर प्लेन जयपुर के सांगानेर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई - 402 ने अपने निर्धारित वक्त पर दोपहर लगभग बारह बजे देहरादून से पुणे के लिए उड़ान भरी थी। कुछ ही देर बाद लगभग एक बजकर चालीस मिनट के आसपास फ्लाइट में मौजूद एक यात्री को घबराहट महसूस होने लगी। इसके बाद फ्लाइट में मौजूद स्टाफ ने यात्री को प्राथमिक उपचार दिया। लेकिन जब इसके बाद भी यात्री की तबीयत ठीक नहीं हुई। तो पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम से संपर्क कर जयपुर में प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। दोपहर लगभग 2 बजकर 20 मिनट के आसपास जयपुर में प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग हुई।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत पुलिसकर्मियों ने ली शपथ

जींद (हिंस)। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत महिला थाना परिसर में बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। डीएसपी जितेंद्र राणा, महिला थाना प्रबंधक इंस्पेक्टर नीलम, सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी रवि लोहान ने सभी पुलिसकर्मियों को बाल विवाह मुक्त भारत करने की शपथ दिलाई और आमजन से आह्वान किया कि बाल विवाह को रोकने के लिए मदद करें। कहीं बाल विवाह की जानकारी है तो इसके बार में 112 या 8814011559 नंबर पर कॉल कर जानकारी दे सकते हैं। इस जानकारी को गुप्त रखा जाएगा। डीएसपी जितेंद्र राणा ने बताया कि देश को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस कार्यक्रम की शुरूआत की है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत देश को बाल विवाह से मुक्त कराने के लिए शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता को लड़कियों के बीच बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। महिला थाना प्रबंधक इंस्पेक्टर नीलम ने बताया कि बाल विवाह अभी भी एक बड़ी समस्या है। देश को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए आगामी दस दिसंबर तक पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसके तहत बाल विवाह की रोक को लेकर बनाए गए कानून की

जानकारी दी जाएगी। लड़कियों को सशक्त बना कर ही विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अगर लड़कियों को बाल विवाह कानून की जानकारी होगी तो वह आवाज बुलंद कर सकेंगी। सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी रवि लोहान ने कहा कि आज भी रह-रह कर बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। समय से पहले विवाह के कारण लड़कियों के जीवन पर प्रतिकूल असर पड़त है। बाल विवाह के कारण लड़कियों को गरीबी का भी सामना करना पड़ता है। देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए सरकार देश को बाल विवाह मुक्त बनाना चाहती है। इसलिए यह हमारी जिम्मेवारी है कि हम बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद करें लेकिन महिलाओं के योगदान के बिना विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल नही किया जा सकता है। ऐसे में विभाग बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाने का फैसला लिया है। इसके लिए चाइल्ड मैरिज फ्री भारत पोर्टल भी शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर आम लोग बाल विवाह संबंधी शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

महाकुंभ दुनिया के मंचों पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की छाप छोड़ेगा : सीएम योगी

प्रयागराज (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रयागराज दौरे पर महकुंभ की तैयारियों को गति देते हुए मेला क्षेत्र में सुरक्षा, स्वच्छता मित्रों व गंगा सेवादूतों के लिए 237.38 करोड़ के उपकरण व विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। सीएम योगी ने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि प्रयागराज के दुनिया के इस सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन के साथ हम सबको जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। वेणीमाधव भगवान व मां गंगा ने हम सबको ये अवसर दिया है कि हम सभी मिलकर इस भव्य और दिव्य आयोजन में सहभागी बनकर देश और दुनिया से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को प्रयागराज की महत्ता के बारे में बताएं। इस पौराणिक और दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम के माध्यम से प्रयागराज, उत्तर प्रदेश और भारत की इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की छाप दुनिया के मंचों पर देगा। इस आयोजन से जुड़ने का सौभाग्य हम सबको प्राप्त हुआ है तो यह जरूर पूर्वजन्मों के पुण्यों का ही प्रताप है। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक इस आयोजन के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद आप सभी का अभिनंदन करने फिर यहां आएंगे। 2019 में स्वच्छता, सुरक्षा और सुव्यवस्था का प्रतिबिम्ब बना था कुंभ सीएम योगी ने कहा कि दिव्य, भव्य और डिजिटल कुंभ की परिकल्पना साकार करने के लिए प्रयागराज महकुंभ आयोजन की नींव

स्वच्छताकर्मी, सफाईकर्मी, नाविक और इस पूरे अभियान से जुड़े जितने भी कार्मिक हैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। प्रयागराज का कुंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में पूरे देश और दुनिया में प्रयागराज को एक वैश्विक छवि के रूप में स्थापित करने में सफल रहा है। कुंभ के माध्यम से आने वाला हर व्यक्ति एक सुकून महसूस करके असीम आध्यात्मिक शांति की अनुभूति करता हो, यह दृश्य 2019 के प्रयागराज कुंभ में देखने को मिला था। पहले से भी वृहद और भव्य होगा महाकुंभउन्होंने कहा कि प्रात: काल से ही प्रयागराज में अलग-अलग स्थानों पर जो कार्यक्रम होने जा रहे हैं उसकी तैयारी में सभी जुटे हुए हैं। 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच में जो 6 प्रमुख स्नान होने हैं, उनमें 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा, 14 जनवरी को मकरसंक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या, 3 फरवरी को बसंत पंचमी, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान होंगे। उन्होंने कहा कि इस बार कुंभ का क्षेत्र बढ़ाया गया है। पहले 1800 हेक्टेयर का था, जो बढ़कर 2000 हुआ, फिर 2500 और कुंभ में यह 3200 हेक्टेयर तक पहुंच गया। इस बार यह 4000 हेक्टेयर के विस्तृत भूभाग में आयोजित किया जाएगा।

No.HDBK-26/15th FC/2017-18/2024-25/ *Dated:18thOct, 2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tender are invited for the works to be drawn in F-2 Form with affixing Non-refundable Court Fee of Rs.8.25 (Rupee Eight and Twenty Five Paisa) only from the intending Registered Contractor of Class-II and Class-I (A,B&C) Category of Assam PWD (Roads & Building) only in a prescribed Forms. The Tender will be received on 10/11/2024 up to 2.00 P.M. in the Office of the undersigned and will be opened at 2.30 P.M. and the same will be submitted to the BTC, Kokrajhar for approval.

Sl. No	Name of work	Estimated Amount	Bid Security		Cost of Tender appear	Time of Completion	Remarks
			Others	ST/SC/OBC/ MOBC			
1	Const. of S/G road from NH31 C to John Murmu house at Damrapara	₹5,00,000.00	₹10,000.00	₹5,000.00	₹500/-	6 (Six) Months from the date of issue of work Order	

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned.

Sd/- Block Development Officer
Hatidhura Dev. Block, Hatidhura

IPR(BTC)/C/2024-25/960

No. CHR/PWD/(R&B)/N-14/Pt/2017-18/3127 *Date 26/11/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paisa twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors under PWD of Class- III (Three), Class-II (Two) & Class-I (A, B & C) (R&B) category according to their eligibility for submitting tenders for the work stated below. The tenders will be received by the undersigned up to **12.00 Noon** on **07/12/2024** and will be opened on the same date & place at 2.15 **P.M.**

Sl. No.	Name of Work	Tender Amount (in Rs.) (including GST LWC & Agency charges)	Earnest Money (in Rs.) (ST, SC, OBC-1% & GEN-2%)	Cost of Tender Papers (in Rs.)	Time of Completion in day
1	"Restoration of Dig Pit Laying Optical Fiber Cable from Airtel Tower (JMVGNI) 26.57429/90.84703, Abdaguri No.2 Fancy Bazar to near Mofiyal Bazar Maijid via Amon Bazar (From Ch.0.00 m to Ch.2715.00 m)"	**Rs. 6,54,442.00**	1% -Rs.6,544/- 2% -Rs.13,089/-	Rs 1000.00	3 (Three) months

Detail N.I.T. may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractor or their authorized agent up-to 12.00 Noon on all working days **from 28/11/2024 to 07/12/2024** in the office of the undersigned on payment in the form of Bank Draft/Demand Draft, duly pledged to the Executive Engineer, PWD Chirang (R&B) Division, Kajalgaon. Payable at Kokrajhar, SBI main Branch.

Sd/-
Executive Engineer, PWD,
Chirang(R&B) Division, Kajalgaon

IPR(BTC)/C/2024-25/948

वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 10वें दौर में नौ खदानों की सफलतापूर्वक हुई नीलामी

नई दिल्ली

वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर में नौ खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी हुई है। इनमें तीन पूरी तरह से खोजी गई कोयला खदानें हैं, जबकि छह आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानें हैं।

कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि 21 जून, 2024 को वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला खदानों की नीलामी का 10वां दौर शुरू किया गया। अग्रिम नीलामी में कुल नौ कोयला खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है, जिनमें तीन पूरी तरह से खोजी गई खदानें और छह आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानें हैं। इन नौ खदानों में करीब 3,998.73 मिलियन टन का संयुक्त भूगर्भीय भंडार है। कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसमें 17.44 फीसदी का औसत राजस्व हिस्सा हासिल हुआ। मंत्रालय के मुताबिक आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानों को छोड़कर इन कोयला खदानों की संचयी अधिकतम निर्धारित क्षमता (पीआरसी) 14.10 एमटीपीए है। यह कोयला क्षेत्र में उद्योगों की निरंतर रुचि और मंत्रालय द्वारा एक स्थिर और पारदर्शी नीति ढांचा प्रदान करने के प्रयासों को दर्शाता है।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक इन खदानों से लगभग 1,446 करोड़ रुपये (आंशिक रूप से खोजी गई खदानों को छोड़कर) का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 2,115 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इसके साथ ही 19,063 रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

न्यूज ब्रीफ

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ शुरू, 3 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट हुआ शेयर

नई दिल्ली। एनटीपीसी की रिन्यूएबल एनर्जी सब्सिडियरी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ ने बुधवार को शेयर बाजार में डेब्यू किया। बीएसई पर कंपनी के शेयर 111.60 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुए। इसके इश्यू प्राइस 108 रुपए की तुलना में सिर्फ 3.33 फीसदी या 3.60 रुपए का प्रीमियम दिखाता है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयरों की लिस्टिंग 111.60 रुपए प्रति शेयर पर हुई, जो इश्यू प्राइस से 3.24 फीसदी या 3.50 रुपए ज्यादा रही। इस लिस्टिंग का प्रदर्शन ग्रे मार्केट की उम्मीदों के अनुरूप रहा। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के अनलिस्टेड शेयर इश्यू प्राइस पर 1 रुपए के मामूली प्रीमियम पर ट्रेड हो रहे थे। यह लिस्टिंग निवेशकों के लिए ज्यादा आकर्षक नहीं रही, लेकिन कंपनी के भविष्य को लेकर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिल सकता है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसमें सबसे ज्यादा दिलचस्पी रिटेल व्यक्तिगत निवेशकों ने दिखाई, जिन्होंने अपने लिए आरक्षित हिस्से को 3.44 गुना सब्सक्राइब किया। इसके बाद क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने हिस्से के लिए 3.32 गुना बोलियां लगाईं। वहीं, नॉन-इंस्टिट्यूशनल निवेशकों ने 0.81 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया। कंपनी के कर्मचारियों और शेयरधारकों के लिए आरक्षित हिस्से में भी दिलचस्पी देखने को मिली है। कर्मचारियों का हिस्सा 0.80 गुना और शेयरधारकों का हिस्सा 1.60 गुना सब्सक्राइब हुआ। शेयर बाजार में डेब्यू से पहले एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने एक बड़ा कदम उठाते हुए महाराष्ट्र स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के साथ 50-50 की साझेदारी में एक जॉइंट वेंचर बनाया है। यह जॉइंट वेंचर महाराष्ट्र में रिन्यूएबल एनर्जी पार्क विकसित करने, उनका संचालन और रखरखाव करेगा। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की यह पहल पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देने और हरित ऊर्जा उत्पादन में अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। इस साझेदारी से न केवल नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि महाराष्ट्र में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। इस इश्यू का रजिस्ट्रार एफिन टेक्नालॉजिस है।

सेबी को 16.57 लाख का भुगतान कर ऐक्सिस एएमसी ने मामला निपटाया

नई दिल्ली। ऐक्सिस ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी और ऐक्सिस म्युचुअल फंड ट्रस्टी ने 16.57 लाख रुपए का भुगतान करके भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ मामला निपटा लिया। यह मामला एएमसी के बही-खातों पर कुल व्यय अनुपात (टीईआर) वसूलने के चलन से संबंधित है। सेबी ने मार्च में कारण बताओ नोटिस जारी किया था और एएमसी ने जून में इसे निपटाने के लिए आवेदन दिया था। सेबी के पूर्णकालिक सदस्यों की समिति की सिफारिशों के आधार पर समझौते को मंजूरी दे दी। टीईआर का तात्पर्य किसी योजना में निवेश पर वसूले जाने वाले कुल शुल्क से है। सेबी का आदेश है कि एएमसी के खाताबही पर शुल्क नहीं वसूला जाना चाहिए क्योंकि इससे बड़ी एएमसी को प्रतिस्पर्धात्मक फायदा मिलता है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू इंडिया ने बढाए वाहनों के दाम

नई दिल्ली। लक्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अपने वाहनों के दाम बढ़ाने का निर्णय लिया है। दोनों कंपनियों ने 1 जनवरी, 2025 से कीमतों में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि की घोषणा की है, जिससे उनके सभी मॉडलों की कीमतों में बदलाव होगा। कंपनियों ने यह फैसला महंगाई, कच्चे माल की बढ़ती लागत और परिचालन व्यय के दबाव के चलते लिया है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने बताया कि दामों में यह संशोधन मॉडल के आधार पर एक्स-शोरूम कीमतों में दो लाख रुपये से लेकर नौ लाख रुपये तक होगा। इसका असर खासतौर पर जीएलसी एसयूवी और हाई-एंड मर्सिडीज-मेबैक एस 680 लिमोजिन पर पड़ेगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने कहा, हमने परिचालन लागत को सुव्यवस्थित करने की कोशिश की, लेकिन मौजूदा चुनौतियों के चलते लाभ प्रभावित हो रहा है। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने भी 3 प्रतिशत तक की मूल्य वृद्धि की घोषणा की है। इसमें बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज, 3 सीरीज, 7 सीरीज, एक्स1, एक्स3, और एक्स7 जैसी एसयूवी के साथ आयातित मॉडल जैसे आई4, आईएक्स, और एम-सीरीज शामिल हैं। बीएमडब्ल्यू ने बढ़ती लागत और बाजार की परिस्थितियों को इस मूल्य वृद्धि का कारण बताया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के द्वारा मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,021.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह नैस्डेक ने 124.90 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,179.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 44,879.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही।

एफटीएसई इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,258.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,194.51 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 109.22 अंक यानी 0.57 प्रतिशत टूट कर 19,295.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

इंडोनेशिया स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं है। हैंग सेंग इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,239.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,276.58 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,197.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,702.76 अंक के स्तर तक गिर गया है। निक्केई इंडेक्स 315.09 अंक यानी 0.83 प्रतिशत टूट कर 38,127.88 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 186.52 अंक यानी 0.82 प्रतिशत फिसल कर 22,489.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,510.80 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,431.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

स्विगी के स्टॉक में दूसरे दिन भी तेजी, ब्रोकरेज ने 515 रुपए का दिया टारगेट

नई दिल्ली

इश्यू प्राइस के मुकाबले स्टॉक में 28 फीसदी की आई तेजी

ऐप बेस्ट फूड डिलिवरी कंपनी स्विगी के स्टॉक में बुधवार को दूसरे दिन तेजी रही। शुरुआती कारोबार में शेयर आठ फीसदी से ज्यादा उछल गया। इससे पहले मंगलवार को स्टॉक 7 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुआ था। स्विगी की 13 नवंबर 2024 को लिस्टिंग हुई थी। बीएसई पर स्टॉक 412 पर लिस्ट हुआ था, जबकि इश्यू प्राइस 390 रुपए था। ब्रोकरेज फर्म यूबीएस की ओर से स्विगी पर कवरेज की शुरुआत की खबर के बाद स्टॉक में जोरदार मूवमेंट देखने को मिला। दूसरी ओर स्विगी लिमिटेड ने मंगलवार की स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2024-25 के दूसरी तिमाही के नतीजों मंजूरी देने के लिए आगामी बोर्ड बैठक की जानकारी दी। कंपनी बोर्ड की बैठक मंगलवार 3 दिसंबर को होगी।

इसमें 30 सितंबर 2024 को खत्म हुई तिमाही और छमाही के लिए नतीजों पर विचार किया जाएगा और मंजूरी दी जाएगी। स्विगी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 13 नवंबर 2024 को हुई थी। बीएसई पर स्टॉक 390 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले करीब 5.6 फीसदी प्रीमियम के साथ 412 पर लिस्ट हुआ था। बुधवार को 11:10 बजे तक के ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक ने 499 रुपए पर इंट्राडे हाई बनाया। स्टॉक में एक फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 467.30 पर कारोबार शुरू हुआ। इससे पहले मंगलवार को शेयर 462 पर बंद हुआ था। इस तरह लिस्टिंग प्राइस से यह स्टॉक करीब 21 फीसदी उछला, जबकि इश्यू प्राइस के मुकाबले स्टॉक में 28 फीसदी की तेजी आई। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने स्विगी पर बॉय रेटिंग के साथ कवरेज की शुरुआत की है। ब्रोकरेज ने प्रतिस्पर्धी जोमैटो के मुकाबले वैल्युएशन में अहम छूट का हवाला दिया। ब्रोकरेज ने 12 महीने के लिए कीमत लक्ष्य 515 रुपए तय किया है। यूबीएस के विश्लेषकों ने एक नोट में कहा कि हमारा प्राइस टारगेट डिस्काउंटेड कैश फ्लो आदि पर आधारित है। साथ ही यह मोटे तौर पर जोमैटो के समान है। बता दें स्विगी आईपीओ का कुल आकार 11,327.43 करोड़ रुपए था। इश्यू में 11.54 करोड़ फ्रेश इक्विटी जारी किए।

वेदांत रिसोर्सेस ने दो नियोजन के लिए 80 करोड़ डॉलर की बोली स्वीकारी

नई दिल्ली

भारतीय कंपनी वेदांत की मूल कंपनी ब्रिटेन की वेदांत रिसोर्सेस ने अपने डॉलर बॉन्ड के दो नियोजन के लिए 80 करोड़ डॉलर की बोली स्वीकार कर ली है। यह बॉन्ड साल 2028 में चुकाने के लिए तय कर्ज के भुगतान के लिए है। दो बैंकरों ने इसकी जानकारी दी। तेल और गैस से लेकर खनन और धातु तक में दिलचस्पी रखने वाली वेदांत ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। अडाणी ग्रुप के उच्च अधिकारियों को अमेरिकी अभियोजकों द्वारा धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद यह किसी भारतीय कंपनी का डॉलर बॉन्ड जुटाने का पहला निर्गम था। एक बैंकर ने कहा कि इस बॉन्ड इश्यू की सफलता अहम थी क्योंकि भारतीय ऋण बाजार इस बात पर नजर रख रहा था कि अडाणी ग्रुप पर संकट से कोई असर तो नहीं पड़ेगा। गौतम अडाणी की अगुआई में अडाणी ग्रुप ने कहा है कि अमेरिकी अधिकारियों के आरोप निराधार हैं।

भारत में 5जी सब्सक्रिप्शन 2030 तक 970 मिलियन हो जाएगा, यूजर्स अगले पांच सालों में जेनएआई एप का करेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली

भारत में 5जी सब्सक्रिप्शन 2030 के आखिर तक करीब 970 मिलियन तक पहुंच सकता है, जो कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 74 फीसदी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल के अंत तक 5जी सब्सक्रिप्शन 270 मिलियन से ज्यादा हो जाने का अनुमान है, जो इस सेक्टर में कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 23 फीसदी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में प्रति स्मार्टफोन औसत मासिक उपयोग सबसे ज्यादा है, जो 32 जीबी है और 2030 तक इसके 66 जीबी तक बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने बड़े पैमाने पर मिड-बैंड को स्थापित किया है और 2024 के आखिर तक इसके करीब 95 फीसदी जनसंख्या कवरेज तक पहुंचने की उम्मीद है। एरिक्सन के नेटवर्क समाधान, सॉफ्टवेयर और प्रदर्शन प्रमुख ने कहा कि जेनएआई के कंज्यूमर अपटेक के साथ ट्रैफिक बेस लाइन में बढ़ोतरी होगी। भारत में पहले से प्रति स्मार्टफोन औसत मासिक उपयोग 32 जीबी है, जो 13 फीसदी सीएजीआर के साथ बढ़ रहा है और 2030 तक 66 जीबी तक पहुंच जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक 67 फीसदी 5जी स्मार्टफोन यूजर्स अगले पांच सालों में साप्ताहिक आधार पर जेनएआई एप का इस्तेमाल करेंगे। नई 'एरिक्सन कंज्यूमरलैब' रिसर्च के मुताबिक तीन में से एक जेन जेड स्मार्टफोन यूजर का कहना है कि वे 5जी नेटवर्क पर ज्यादा बेहतर जेन एआई का अनुभव की उम्मीद करते हैं। इस रिसर्च में भारत में विश्वसनीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें पिछले साल की तुलना में टियर तीन शहरों में 5जी कनेक्टिविटी से उच्च संतुष्टि की रिपोर्ट करने वाले यूजर्स की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक छह में से एक 5जी यूजर, यूजर इवेंट स्थलों पर तय कनेक्टिविटी के लिए अपने वर्तमान मासिक मोबाइल खर्च का 20 फीसदी भुगतान करने को तैयार हैं। एरिक्सन के कंज्यूमर लैब के प्रमुख ने कहा कि युवा पीढ़ी के एआई यूजर्स पहले से ही 5जी नेटवर्क पर ज्यादा बेहतर एआई की मांग कर रहे हैं। यह कम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए बेहतर कनेक्टिविटी एक्सपीरियंस के जरिए इस मांग को पूरा करने का अवसर दिखाता है।

सर्राफा बाजार में कमजोरी जारी, सोना और चांदी के भाव में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमत में लगातार दूसरे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत में 1,200 रुपये से लेकर 1,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये से लेकर 77,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये से लेकर 70,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी 2 हजार रुपये की कमजोरी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,290 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट आने के कारण सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नोमुरा भारत को मानता है विकसित बाजार, निवेश बढ़ाने बना रहा योजना

नई दिल्ली। यूके बैंकर और नोमुरा के क्रिस्टोफर विलकॉक्स ने भारत में निवेश की संभावनाओं को लेकर कहा है कि भारत सरकार की नीतिगत निरंतरता, देश की आर्थिक मजबूती और घरेलू खपत में बढ़ोतरी के कारण जापानी कंपनियों का भारत में निवेश बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए जापानी निवेश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, क्योंकि भारत में व्यापार करने का माहौल अब पहले से ज्यादा सुरक्षित और आकर्षक हो गया है। उन्होंने बताया कि भारत, अमेरिका के साथ, पिछले कुछ समय से सबसे अच्छे प्रदर्शन करने वाले इक्विटी बाजारों में से एक रहा है। पिछले दशक में, भारत ने अपनी स्थिरता के साथ कई एशियाई देशों से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे वैश्विक कंपनियों का रुझान भारत की तरफ बढ़ा है। नोमुरा भी भारत को एक विकास बाजार मानते हुए यहां अपनी पूंजी लगाने की योजना बना रहा है, ताकि वह अपनी इक्विटी पर 8 से 10 फीसदी रिटर्न तय कर सके। उन्होंने बताया कि जापान की कंपनियों के बीच भारत को लेकर उत्साह बढ़ा है और व्यापारियों का मानना है कि आने वाले सालों में भारत जापान के लिए एक अहम निवेश केंद्र बनेगा। कई प्रमुख जापानी कंपनियां, जैसे दाइची सैंक्यो, एनटीटी डोकोमो, सॉफ्टबैंक, और रिको ने भारत में व्यापार स्थापित किया है, लेकिन इन कंपनियों को स्थानीय संस्थाओं के साथ संघर्षों का सामना भी करना पड़ा है, जिससे एफडीआई प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने का मिला है। विलकॉक्स के मुताबिक जापानी निवेशकों को अब भारत में स्थिरता और लाभप्रदता का भरोसा होने लगा है। उन्होंने कहा कि जापानी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है, और वे अब भारत को चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया की जगह प्राथमिक निवेश स्थल मानते हैं। विलकॉक्स ने माना कि जापानी निवेश का हिस्सा पिछले कुछ सालों में गिरा है, विशेष रूप से शिंजो आबे के युग के बाद लेकिन उन्होंने इसे एक अस्थायी समस्या माना और यह भी माना कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं का असर भारत पर भी पड़ा है।

उर्विल पटेल ने तोड़ा पंत का रिकॉर्ड, सबसे तेज टी20 शतक बनाने वाले भारतीय बने

इंदौर

गुजरात के 26 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल ने बुधवार को त्रिपुरा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली मैच के दौरान सिर्फ 28 गेंदों में शतक लगाया, इसी के साथ उन्होंने ऋषभ पंत के सबसे तेज भारतीय और प्रारूप में दूसरे सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। त्रिपुरा के खिलाफ़ 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उर्विल बल्लेबाजी करने आए और विपक्षी गेंदबाज़ी की धज्जियाँ उड़ाते हुए सात चौके और 12 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 322.86 था। उन्होंने अपनी टीम को आठ विकेट और 58 गेंदें शेष रहते मैच जीता दिया। उनके सलामी जोड़ीदार आर्य देसाई (24 गेंदों में 38 रन, चार चौके और दो छक्के) ने भी अहम पारी खेली और एक छोर संभाले रखा।

इससे पहले, गुजरात ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। त्रिपुरा के लिए श्रीदम पॉल ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 49 गेंदों में 57 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने चार चौके और चार छक्के लगाए। उनकी इस पारी की बदौलत त्रिपुरा ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन बनाए। गुजरात के लिए अरज़ान नागवासवाला ने 35 रन देकर 3 विकेट लिए, चिंतन गजा ने भी तीन ओवर में 18 रन देकर दो विकेट चटकाए, जबकि अक्षर पटेल को एक विकेट मिला।

विशेष रूप से, उर्विल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी के लिए खुद को पंजीकृत किया था, लेकिन जेद्दा में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। उन्होंने अभी तक लीग में एक भी मैच नहीं खेला है।

44 टी20 में उन्होंने 23.52 की औसत से 164.11 की स्ट्राइक रेट के साथ 988 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और चार अर्द्धशतक भी लगाए हैं, जिसमें 113* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

सबसे तेज टी20 शतक का रिकॉर्ड एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम है, जिन्होंने इस साल साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। पंत का 32 गेंदों में शतक, जो पहले किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी20 शतक था, 2018 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ आया था।

न्यूज ब्रीफ

इंटर मियामी ने लियोनेल मेसी के पूर्व साथी जेवियर मास्चेरानो को नया कोच नियुक्त किया

फोर्ट लौडरडेल। लियोनेल मेसी और जेवियर मास्चेरानो फिर से एक साथ हैं। इंटर मियामी ने मंगलवार को लियोनेल मेसी के पूर्व साथी जेवियर मास्चेरानो को क्लब का नया कोच नियुक्त किया है। मास्चेरानो गेरार्डो टाटा मार्टिनो की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सप्ताह व्यक्तिगत कारणों से पद छोड़ दिया था। हाल ही में मास्चेरानो अर्जेंटीना की अंडर-20 टीम और ओलंपिक कोच थे। उन्होंने तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और वह अपने काम के कागजी काम पूरे होने के बाद पदभार संभालेंगे। इंटर मियामी के प्रबंध मालिक जॉर्ज मास ने कहा, इस नौकरी के लिए ऐसे अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है जो हमारी प्रतिभा के अनूठे संग्रह को अधिकतम करने में सक्षम हो - हमारे वैश्विक सुपरस्टार से लेकर हमारे उभरते हुए घरेलू खिलाड़ियों, हमारे युवा अंतरराष्ट्रीय संभावनाओं और बीच की हर चीज तक। यह सिर्फ़ मेसी ही नहीं है जिसके साथ मास्चेरानो फिर से जुड़ रहे हैं। जब मास्चेरानो बार्सिलोना के साथ थे, तब उन्होंने इंटर मियामी के मौजूदा स्टार जोर्डी अल्बा, सर्जियो बुस्केट्स और लुइस सुआरेज़ के साथ भी खेला था - इन सभी के 2025 सीजन में वापस आने की उम्मीद है। मास्चेरानो ने कहा, इंटर मियामी जैसे क्लब का नेतृत्व करने में सक्षम होना मेरे लिए सम्मान की बात है, और यह एक विशेषाधिकार है जिसका मैं पूरा फ़ायदा उठाने का प्रयास करूँगा। मैं संगठन की निर्विवाद महत्वाकांक्षा और इसे समर्थन देने के लिए इसके बुनियादी ढांचे से आकर्षित हुआ। मैं क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने और प्रशंसकों को और भी अविस्मरणीय पल देने में मदद करने के लिए इंटर मियामी के लोगों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूँ। जेवियर ने अपने करियर में दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर खेलने से लेकर युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग करने तक का बेजोड़ अनुभव हासिल किया है।

प्रदेश स्तरीय कुश्ती, कबड्डी और बास्केटबाल प्रतियोगिताएं दस दिसम्बर से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक बास्केटबाल प्रतियोगिता 10 से 13 दिसम्बर के बीच आयोजित होगी। वहीं प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 13 दिसम्बर से होनी है, जबकि प्रदेश स्तरीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 दिसम्बर तक होगी। इस संबंध में खेल निदेशक आर.पी. सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम आगरा में होना है। इसके लिए मंडल स्तर पर तैयारियां शुरू हो गयी हैं। वहीं बालक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन आगरा में ही 13 से 15 दिसम्बर के बीच होगा।

नाडा ने डोपिंग रोधी संहिता के उल्लंघन के लिए बजरंग पुनिया को चार साल के लिए किया निलंबित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने मंगलवार को बजरंग पुनिया को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान 10 मार्च को डोप परीक्षण के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर चार साल के लिए निलंबित कर दिया है। नाडा ने टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता पहलवान को इस अपराध के लिए सबसे पहले 23 अप्रैल को निलंबित किया था, जिसके बाद विश्व शासी निकाय यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। बजरंग ने अनंतिम निलंबन के खिलाफ अपील की थी, और नाडा के अनुशासन-विरोधी डोपिंग पैनल (एडीडीपी) ने 31 मई को इसे रद्द कर दिया था, जब तक कि नाडा ने आरोप का नोटिस जारी नहीं कर दिया। इसके बाद नाडा ने 23 जून को पहलवान को नोटिस दिया। साथी पहलवान विनेश फोगट के साथ कांग्रेस में शामिल हुए बजरंग को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का प्रभार दिया गया था। उन्होंने 11 जुलाई को लिखित रूप से आरोप को चुनौती दी थी, जिसके बाद 20 सितंबर और 4 अक्टूबर को सुनवाई हुई थी। एडीडीपी ने अपने आदेश में कहा, पैनल का मानना ??है कि एथलीट अनुच्छेद 10.3.1 के तहत प्रतिबंधों के लिए उत्तरदायी है और 4 साल की अवधि के लिए अयोग्य है। वर्तमान मामले में, चूंकि एथलीट को अनंतिम रूप से निलंबित कर दिया गया था, इसलिए पैनल तदनुसार मानता है कि एथलीट की चार साल की अवधि के लिए अयोग्यता की अवधि उस तारीख से शुरू होगी, जिस दिन अधिसूचना भेजी गई थी, यानी 23.04.2024। आदेश में कहा गया, यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि 31.05.2024 से 21.06.2024 तक की अवधि के लिए अनंतिम निलंबन को हटाने के कारण चार साल की अयोग्यता की कुल अवधि में कोई राशि नहीं जोड़ी जाएगी। निलंबन का मतलब है कि बजरंग प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी नहीं कर पाएंगे और अगर वह चाहें तो विदेश में कोचिंग की नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे।

जसप्रीत बुमराह ने आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर की वापसी

नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पर्थ में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 295 रनों की शानदार जीत दिलाने के बाद आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मैच में 8 विकेट लेने वाले बुमराह ने जोश हेजलवुड और कैगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है और करियर के सर्वश्रेष्ठ 883 रेटिंग पॉइंट पर पहुंच गए हैं, जो किसी भारतीय सीम गेंदबाज द्वारा अब तक का सबसे अधिक रेटिंग पॉइंट है।

स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (904) और रवींद्र जडेजा (899) भारत के एकमात्र गेंदबाज हैं जिन्होंने उच्च अंक हासिल किए हैं। यह तीसरी बार है जब बुमराह इस साल रैंकिंग में शीर्ष पर रहे हैं। फरवरी और अक्टूबर में वे शीर्ष स्थान पर थे।

पांच टेस्ट मैचों में से पहले टेस्ट में भारत की बड़ी जीत का असर शतकवीर यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी पड़ा है। सलामी बल्लेबाज जायसवाल ने पर्थ में दूसरी पारी में 161 रन बनाकर शीर्ष स्कोरिंग के बाद हैरी ब्रूक और केन विलियमसन को पछाड़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंकिंग हासिल की है, जबकि कोहली की नाबाद 100 रन की पारी ने उन्हें नौ पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जो 10 साल में पहली बार शीर्ष 20 बल्लेबाजों से बाहर रहे।

केएल राहुल 60वें से 49वें स्थान पर पहुंच गए हैं और नीतीश कुमार रेड्डी ने बल्लेबाजी रैंकिंग में 74वें स्थान पर प्रवेश किया है, जबकि मोहम्मद सिराज गेंदबाजी रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड दूसरी पारी में 89 रन की आक्रामक पारी खेलने के बाद शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं, जबकि एलेक्स कैरी (बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 39वें स्थान पर) और मिशेल मार्श (गेंदबाजों में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 68वें स्थान पर) पर्थ में अपने प्रदर्शन के बाद आगे बढ़ने वाले अन्य खिलाड़ियों में शामिल हैं।

स्टीव स्मिथ, जो केवल शून्य और 17 रन ही बना सके, सातवें स्थान पर खिसक गए हैं, जो दिसंबर 2014 के बाद से उनका सबसे निचला स्थान है।

वेस्ट इंडीज के खिलाड़ियों ने भी नॉर्थ साउंड में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में 201 रन की जीत के बाद नवीनतम साप्ताहिक अपडेट में बढ़त हासिल की है।

बल्लेबाज एलिक अथानाज़े 90 और 42 रन के स्कोर के बाद 18 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि जस्टिन ग्रीव्स (43 स्थान ऊपर चढ़कर 81वें स्थान पर) और मिकील लुइस (25 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त 86वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स (तीन पायदान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ 11वीं रैंकिंग), केमार रोच (चार पायदान ऊपर चढ़कर 17वीं रैंकिंग) और अल्जारी जोसेफ (तीन पायदान ऊपर चढ़कर 29वीं रैंकिंग) को एंटीगुआ में उनके प्रयासों का इनाम मिला है।

बांग्लादेश के लिए, लिटन दास और मोमिनुल हक बल्लेबाजी रैंकिंग में क्रमशः 32वें और 47वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद की दूसरी पारी में 64 रन देकर छह विकेट लेने की बदौलत वे 67वें से 51वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है, क्योंकि पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए शाहीन शाह अफरीदी को आराम दिया था।

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सैम अयूब ने 62 गेंदों में नाबाद 113 रन बनाए, जिससे वह वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 80 पायदान ऊपर चढ़कर 90वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पर्थ टेस्ट में जीत के बाद दो बार की फाइनलिस्ट भारतीय टीम एक बार फिर 61.11 प्रतिशत अंकों के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। ऑस्ट्रेलिया 57.69 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर वापस आ गया है।

एशियन राइफल/पिस्टल कप 2026 की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली

एशियन शूटिंग कन्फेडरेशन (एएससी) की कार्यकारी समिति ने एशियन राइफल/पिस्टल कप 2026 की मेजबानी के अधिकार भारत को प्रदान किए हैं। यह घोषणा नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने की है।

एएससी के महासचिव इंजीनियर दुआज अल ओतैबी की ओर से एनआरएआई के महासचिव के. सुल्तान सिंह को भेजे गए एक पत्र में होस्ट फेडरेशन से इस प्रतियोगिता के प्रस्तावित तिथियों की जानकारी मांगी गई है। इस निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, के. सुल्तान सिंह ने कहा, हमें एक और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपे जाने पर बेहद खुशी हो रही है। हम एएससी की कार्यकारी समिति के प्रति अत्यंत आभारी हैं और हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा करते हैं। एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने भी अपनी बात रखते हुए कहा, यह भारतीय शूटिंग के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते कद का एक और प्रमाण है, और हमें खुशी है कि हमारे निशानेबाजों को दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ घरेलू दर्शकों के सामने अपनी क्षमता साबित करने का एक और मौका मिलेगा। हम भारत सरकार, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं, जो उन्होंने हमेशा भारतीय शूटिंग को प्रदान किया है।

भारत ने इससे पहले 2015 में 8वीं एशियाई एयर गन प्रतियोगिता और उसके एक साल बाद एशियन ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी की थी। इसी अवधि में, भारत ने कुल छह शीर्ष अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) प्रतियोगिताओं की भी मेजबानी की, जिनमें दो वर्ल्ड कप फाइनल शामिल हैं।

आईएसएल में पहली घरेलू जीत तलाश रहे मोहम्मडन एससी का सामना बेंगलुरू एफसी से

कोलकाता

मोहम्मडन एससी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में अपनी पहली घरेलू जीत तलाश रही है, जिसके लिए ब्लैक पैंथर्स बुधवार शाम अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में बेंगलुरू एफसी भिड़ेंगे।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग शीर्ष स्तर की इस लीग में पहली बार अभियान में उतरी है, लेकिन वो सात मैचों में एक जीत, दो ड्रा और चार हार से पांच अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, ब्लूज ने इस सीजन में जोरदार वापसी की है।

बेंगलुरू एफसी आठ मैचों में पांच जीत, दो ड्रा और एक हार से 17 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में अपने घरेलू मैदान पर शुरुआती चार मुकाबलों में एक ड्रा खेला और तीन हारे हैं। कोई भी टीम शुरुआती पांच घरेलू मैचों में जीत के बिना नहीं रही है, यह ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड होगा जिसे एंड्री चेर्निशोव और उनके ब्लैक पैंथर्स बुधवार को बचना चाहेंगे।

मोहम्मडन ने मैचों के शुरुआती 15 मिनट में चार गोल खाए हैं, जो आईएसएल 2024-25 सीजन में सभी टीम में सबसे अधिक है। वहीं, बेंगलुरू एफसी ने इस अवधि में चार गोल किए हैं।

इस मैच में जीत से ऐसा दूसरी बार होगा जब ब्लूज आईएसएल सीजन के अपने शुरुआती नौ मैचों के बाद 20+ अंक हासिल करेंगे। ब्लूज ने आईएसएल में पहली बार किसी टीम का सामना करते हुए पिछले पांच मुकाबलों में दो ड्रा खेले और दो हारे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के रूसी हेड कोच एंड्री चेर्निशोव ने ब्लूज और इस सीजन में उनकी खेल शैली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हम वर्तमान में सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलेंगे। वो बहुत मजबूत है और उसने सीजन की शानदार शुरुआत की है। उनकी फुटबॉल शैली उन्हें आईएसएल की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक बनाती है। बेंगलुरू एफसी के स्पेनिश हेड जेरार्ड जारागोजा ने कहा कि उनके खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान अपने तकनीकी और रणनीतिक खेल पर काम किया।

कप्तान लैथम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए संभावित न्यूजीलैंड टीम घोषित की, नाथन स्मिथ करेंगे पदार्पण

क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ क्राइस्टचर्च में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में डेब्यू करेंगे। हालांकि टॉम लैथम ने अपनी टीम की प्लेइंग इलेवन का खुलासा नहीं किया, जो इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के शुरुआती मैच में मैदान पर उतरेगी, लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान ने खुलासा किया कि स्मिथ क्राइस्टचर्च टेस्ट में अपना पहला टेस्ट कैप पहनेंगे।

लैथम ने यह भी पुष्टि की कि पूर्व कप्तान केन विलियमसन श्री लायंस के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए अपनी कमर की चोट से उबरकर लंबे प्रारूप में वापसी करेंगे। न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि केन विलियमसन के टीम में होने से टीम को मजबूती मिलेगी। आईसीसी ने लैथम के हवाले से कहा, केन जैसे खिलाड़ी की वापसी से टीम को मजबूती मिलती है। न्यूजीलैंड वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है और अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले एकमात्र टेस्ट में बेन स्टोक्स की टीम पर 3-0 की जीत के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बना सकता है। स्मिथ ने हाल के वर्षों में कीवी टीम के लिए घरेलू क्रिकेट में कुछ मजबूत प्रदर्शनों और इस

महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की स्थिर शुरुआत के दम पर टेस्ट डेब्यू किया है। स्मिथ ने पिछले साल प्लंकेट शील्ड सीजन के दौरान 17.18 की औसत से 33 विकेट लिए थे और 26 वर्षीय खिलाड़ी का अपने करियर में प्रथम श्रेणी बल्लेबाजी औसत 27.02 है। आईसीसी ने कीवी कप्तान के हवाले से कहा, वह (स्मिथ) ऐसा खिलाड़ी है जो गेंद को हवा में दोनों तरफ घुमा सकता है और विकेट पर काफी जोर से हिट कर सकता है। मुझे लगता है कि वह हमारे गेंदबाजी आक्रमण को अन्य तीन खिलाड़ियों के साथ काफी अच्छी तरह से संतुलित करता है और वह थोड़ी बल्लेबाजी भी कर सकता है जो निश्चित रूप से हमारी टीम के संतुलन में मदद करता है। संभावित न्यूजीलैंड एकादश: टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, टिम साउथी, विल ओ रुरके।

महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के लिए तैयार मारिया वर्सचूर, कहा-भारतीय स्टेडियमों का माहौल बेजोड़

नई दिल्ली

डच महिला हॉकी सनसनी मारिया वर्शूर सूरमा हॉकी क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। नीदरलैंड की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक के रूप में, वर्शूर ने भारत में खेलने के अनूठे अनुभव और पहली महिला एचआईएल का हिस्सा बनने के अवसर के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया।

वर्शूर ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं वास्तव में इस साहसिक कार्य के लिए उत्सुक हूं। मुझे इस साल की शुरुआत में भारत में एफआईएच प्रो लीग के दौरान एक अद्भुत अनुभव हुआ, जहां मैं प्रशंसकों के जुनून और ऊर्जा से दंग रह गया। भारत में हॉकी जीवित है और स्टेडियमों का माहौल कुछ खास है।

वर्शूर का मानना है कि महिला एचआईएल खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

उन्होंने कहा, भारत में महिलाओं के लिए अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता देखना आश्चर्यजनक है और इसका हिस्सा बनना वास्तव में विशेष है। दुनिया भर के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के मिश्रण के साथ लीग का प्रारूप विभिन्न शैलियों और संस्कृतियों को एक साथ लाता है, जो मुझे लगता है कि महिला हॉकी के विकास के लिए बहुत अच्छा है। हम कुछ बेहतरीन मैच खेलेंगे और मुझे उम्मीद है कि हम दुनिया को दिखा सकते हैं कि महिला हॉकी कितनी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी हो सकती है।

वर्शूर विशेष रूप से भारत में महिलाओं के खेल के विकास में योगदान देने के लिए उत्सुक है।

उन्होंने कहा, यह देखना प्रेरणादायक है कि लीग महिला हॉकी में कैसे निवेश कर रही है। यह मंच हमें अपना कौशल दिखाने और न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में युवा लड़कियों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने का मौका देता है। महिला हॉकी देखना रोमांचक है और यह बहुत अच्छी बात है कि हमें इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मान्यता और समर्थन मिल रहा है।

हॉकी के अलावा, वर्शूर ने अपने व्यक्तिगत हितों के बारे में भी बात की, पानी के खेल के प्रति अपने प्यार और मनोविज्ञान में चल रहे अध्ययन को साझा किया।

उन्होंने कहा, जब मैं हॉकी नहीं खेलती, तो मुझे काइटसर्फिंग जैसे पानी के खेल करना पसंद है। मैं मनोविज्ञान का भी अध्ययन कर रही हूं, जो मुझे आकर्षक लगता है, खासकर जब टीम की गतिशीलता और समूह व्यवहार को समझने की बात आती है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं भविष्य में और आगे बढ़ाने की उम्मीद करती हूं।

वर्शूर महिला एचआईएल के भविष्य को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा, इस सीज़न में लीग में चार टीमें हैं और विस्तार करने की योजना है, मेरा मानना है कि यह सिर्फ शुरुआत है। मैं इस यात्रा का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं और यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि यह कैसे आगे बढ़ती है।

प्रेग्नेंसी में पत्नी का कैसे रखें ख्याल

मां बनना एक बहुत ही सुखद एहसास है। लेकिन कोई भी महिला इस सुखद और सुंदर पहलू का आनंद तभी उठा सकती हैं जब गर्भावस्था के दौरान वो खुद और उसका बच्चा स्वस्थ रहे। ऐसा तभी मुमकिन हो सकता है जब गर्भवती महिला अपना अच्छे से ख्याल रखे। किन्तु गर्भावस्था के शुरू के तीन महीनों में कई महिलाओं को जी मचलाने या उल्टी आने की शिकायत होती है। इसके अतिरिक्त कुछ महिला उन दिनों बीमार भी पड़ जाती है। लेकिन होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है की उसकी माँ भी स्वस्थ रहे। इसलिए ऐसे में जरुरी है की पति अपनी पत्नी का ख्याल रखे। क्योंकि जब भी किसी लड़की को पता चलता है कि वह मां बनने वाली है तो वह इस बात को सबसे पहले अपने पति के साथ शेयर करना चाहती है।

सबसे पहले खुद एडजस्ट करें

गर्भवती होने के बाद हर महिला के शरीर में काफी परिवर्तन आ जाता है जिसके चलते दैनिक कार्य रूटीन से नहीं हो पाते है। ऐसे में उन्हें कुछ भी कहने के बजाय कुछ समय के लिए आप खुद एडजस्ट करना सिख जाए ऐसे में आपकी पत्नी परेशान नहीं होगी। जितना हो सके आपको होने वाली मां के कम्फर्ट का ध्यान रखना है। यदि आपको ब्रेकफास्ट नहीं मिल रहा है तो कुछ दिन बाहर ही नाश्ता कर ले।

पत्नी को प्यार दे

गर्भवती होने के बाद अपने शरीर में होने वाले परिवर्तन को देखकर स्त्री बहुत परेशान रहती है। उन्हें ऐसा लगता है की वह गर्भावस्था के दौरान अच्छी नहीं दिखती हैं, अब उनके पति उन्हें प्यार नहीं करेंगे। इसलिए उनका भ्रम दूर करे। उन्हें हर पल जताए की आप उनसे प्यार करते है और वो पहले जितनी ही सुंदर हैं। इसके साथ ही उनका ख्याल भी रखें।

कुछ महत्वपूर्ण बातो का ध्यान रखे

पति कुछ जरुरी बातो की जानकारी रखें जैसे पत्नी को कब कौन सा इंजेक्शन लगना है या फिर चिकित्सक को कब दिखाना है आदि। इसके अतिरिक्त यदि आपकी पत्नी को किसी चीज से एलर्जी है तो आपको इसका भी ध्यान रखना होगा।

उसके खान पान का ख्याल रखे

देखा गया है की ज्यादातर महिलाएं इन दिनों में अपने खान-पान का विशेष ध्यान नहीं रख पाती है। जिसे चलते उनके शरीर में लौह तत्व की कमी से एनीमिया होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए अपनी पत्नी के खान पान का भी ख्याल रखे। चाहे तो कुछ दिन के लिए अपने किसी रिस्तेदार को मदद के लिए बुलाले। गर्भावस्था में स्त्री को हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दाल, अंकुरित अनाज, प्रचुर मात्रा में दूध आदि अवश्य लेना चाहिए।

इन बातो का भी रखे ख्याल

- गर्भावस्था के दौरान अपनी पत्नी के साथ रेगुलर चेकअप पर जाएं। अल्ट्रासाउंड रूम में भी साथ रहें और बच्चे की हरकत को पेट छूकर महसूस करे।
- प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं को कमर में भयानक दर्द होता है। इसलिए ऐसे में उन पर अधिक काम का बोझ न लादें।
- अपनी पत्नी की भी बात सुनें, उनसे पूछें की उन्हें क्या अच्छा लगता है क्या नहीं। उनका ख्याल रखने के साथ साथ अधिकतर समय उनके साथ बिताएं।
- रोमेंटिक बातों के लिए टाइम निकाले, क्योकि कुछ समय बाद आप दोनों अकेले नहीं रह जाएंगे। फिर शायद नन्हे को संभालने के चक्कर में आप एक दूसरे को ज्यादा वक्त नहीं दे पाए।

आफत न बन जाए आदत

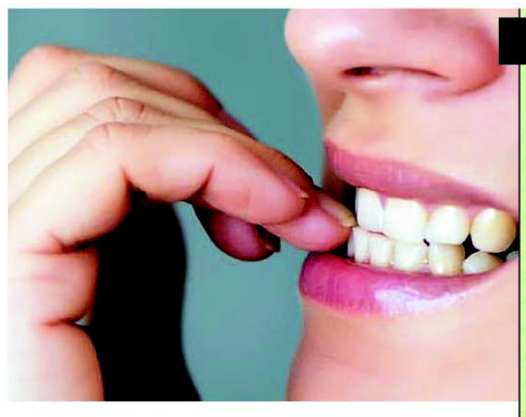

आदत से छुटकारा पाना बेहद मुश्किल होता है। खासतौर पर ऐसी आदतें, जिनमें तनाव को कम करने का गुण होता है, पर सेहत को नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं, उन्हें छोड़ना और भी मुश्किल होता है। धूम्रपान, तंबाकू और अत्यधिक शराब के सेवन को इनमें शामिल किया जाता है। पर उन आदतों का क्या, जो दिखने में तो सामान्य लगती हैं, पर सेहत पर गंभीर असर डालती हैं?

देर रात स्नैक्स खाना

देर रात कुछ खाने में इतनी बुराई नहीं है, पर फल-सब्जियों या हल्का खाने की बजाए ठंडा पिज्जा, ब्रेड स्लाइस, नूडल्स या तला-भुना खाना सेहत के लिए समस्या पैदा कर सकता है। ऐसे लोग, जिन्हें एसिडिटी की समस्या रहती है, उनके लिए तो देर रात में खाना समस्या को बढ़ा सकता है।

क्या करें: आमतौर पर देर रात में खाना भूख की वजह से कम, बोरियत के कारण अधिक होता है। लोग टीवी या फिल्म देखते हुए आलू चिप्स या सैंडविच आदि खाते हैं। एक शोध के अनुसार, टीवी न देखते समय की तुलना में टीवी या फिल्म देखते समय लोग 44 प्रतिशत अधिक चिप्स खाते हैं। इस आदत से बचने के लिए बेहतर है कि आप टीवी देखते समय कुछ छोटे-छोटे काम कर लें, मसलन किए जाने वाले कार्यों की लिस्ट बनाना, कपड़ों की तह लगाना, ई-मेल चेक करना या अधूरे कामों को पूरा करना आदि। इससे आप कुछ खाने की अपनी इच्छा को दबा सकेंगे।

गलत फिटनेस एक्सेसरीज

यदि आप अपनी फिटनेस को लेकर सजग हैं और नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो अपनी फिटनेस एक्सेसरीज का भी अवश्य ध्यान रखें। गर्मी के दिनों में सामान्य सूती कमीज को पहन कर व्यायाम करना खुजली या त्वचा पर रगड़ उत्पन्न कर देता है। व्यायाम करते समय जूते-जुराब अवश्य पहनें।

क्या करें: सही स्पोर्ट शूज पहनें। ऐसी जगह से जूते खरीदें, जहां स्पोर्ट्स एक्सेसरीज मिलती हों। पसीने को सोखने वाले फेब्रिक से बने कपड़े पहनें। कपड़े आरामदेह या अधिक कसे हुए न हों।

भरपूर नींद न लेना

पर्याप्त नींद न लेना सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचाता है। इससे आपकी सक्रियता कम हो जाती है। पर्याप्त नींद की कमी रोग प्रतिरोधी क्षमता को कम कर देती है। महिलाओं का पर्याप्त नींद न लेना हृदय रोगों की आशंका को बढ़ा देता है।

क्या करें: विशेषज्ञों के अनुसार, नींद आहार की तरह है। समय पर सोना चाहिए। सोने से पहले कैफीनयुक्त पदार्थों के सेवन से बचें। शोर और अतिरिक्त रोशनी से दूर रहें।

यदि आप रात को नहीं सो पा रहे हैं तो थोड़ी नींद दोपहर में लें। सोने से पहले टीवी व कंप्यूटर न देखें।

नाखून चबाना

नाखून चबाना एक सामान्य आदत है, जो अक्सर तब देखने को मिलती है, जब व्यक्ति तनाव में होता है। इससे नाखूनों की सामान्य वृद्धि पर तो असर पड़ता ही है, उनकी शेप भी अनियमित हो जाती है। नाखूनों की उचित सफाई न रखने पर उनमें जमा कीटाणु खाने के जरिए पेट में जाकर संक्रमण का कारण बन जाते हैं। नाखूनों की परत के नीचे नुकसानदायक स्टेफिलोकोकस नामक बैक्टीरिया होता है, जो चबाने पर मुंह में चला जाता है। एक शोध के अनुसार, 19 से 29 प्रतिशत युवा वयस्क और 5 प्रतिशत बड़ी उम्र के व्यक्ति नाखून चबाते हैं।

क्या करें : दो से तीन सप्ताह में एक बार किसी प्रोफेशनल से मेनिक्योर करवा सकते हैं। जब आपके नाखून सुंदर लगते हैं तो आप उन्हें चबाना पसंद नहीं करते। नाखून चबाने की इच्छा उत्पन्न होने पर क्रीम या तेल से उनकी मालिश करें या फिर गाजर या सेब जैसी चीजें चबाएं।

डॉक्टर को पूरी बात न बताना

सेहत संबंधी समस्या है तो डॉक्टर के पास जाने से निश्चित तौर पर फायदा मिलता है, पर बातचीत करते समय चिकित्सक को पूरी बात न बताना उपचार के तरीके को बदल सकता है। खासतौर पर मधुमेह या हाइपरटेंशन से पीड़ितों के लिए दवा लेते समय विस्तृत बातचीत जरूरी है।

क्या करें: जब भी डॉक्टर के पास जाएं, बीमारी के लक्षणों और ली जा रही पूर्व दवाओं के बारे में पूरी जानकारी दें। बेहतर होगा कि मिलने से पहले पूरी सूची बना लें, जिसमें एल्कोहल या ली जा रही दवाओं व अन्य बातों की पूरी जानकारी दें।

कान में पिन डालना

कान में हल्का-सा भारीपन होने या फिर खुजली होने पर पहला ध्यान कान की सफाई करने का होता है। आमतौर पर लोग बालों में लगाने वाली पिन, बॉल पेन, पेंसिल आदि को कान में डाल कर कान के भीतर जमी परत को निकालते हैं, जिसे सामान्य शब्दों में मैल कह दिया जाता है।

क्या करें: कान में वेक्स जमा होने का एक बड़ा कारण भोजन को ढंग से चबा कर न खाना है। कान में लगाई जाने वाली एक्सेसरीज जैसे हैडफोन, लंबे समय तक ईयरफोन से भी वेक्स

जमा होती है। इनसे बचें।

संगीत का रोग

प्रारंभ में भले ही आप कुछ देर हेडफोन लगा कर तेज आवाज में संगीत सुनते हैं, पर कुछ समय बाद आपके कान को उतनी ही आवाज में सुनने की आदत पड़ जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपको पता ही नहीं चलता कि कब आप तेज से तेज आवाज को ग्रहण करने लगे हैं। पर लंबे समय तक ऐसा करना आपके सुनने की क्षमता में स्थायी दोष उत्पन्न कर सकता है। आपको लगता है कि लगातार कान में कुछ आवाज हो रही है, जिसे टिनिटस कहा जाता है।

क्या करें: मस्तिष्क को धीमी आवाज सुनने के लिए तैयार करें। अपने आईपैड या कार स्टीरियो की आवाज धीमी रखें, इतनी कि दूसरे जो आपसे बात कर रहे हैं, उन्हें चिल्लाना न पड़े।

शाम स्क्रीन के साथ बिताना

सप्ताह में एक-दो बार काम के बाद थियेटर में फिल्म देखना या कुछ देर नियमित टीवी देखना सही हो सकता है, पर हर दिन देर रात तक स्क्रीन के सामने समय बिताना बुरी आदत है। जो लोग अत्यधिक तनाव में रहते हैं या जिनके दोस्तों का नेटवर्क सीमित है, वे अक्सर काम के बाद अकेले समय बिताते हैं। नतीजा देर तक सोफे पर बैठे-बैठे टीवी देखते रहने से शरीर और दिमाग थकता है। शोध कहता है कि सप्ताह में 19 घंटे से अधिक टीवी या बड़े परदे के आगे समय बिताना मोटापे की आशंका 97 प्रतिशत बढ़ा देता है।

क्या करें: विशेषज्ञों के अनुसार, इस आदत से छुटकारा पाने का तरीका है कि टीवी देखते समय कुछ काम करते रहें। सप्ताह में दो-तीन बार कुछ समय दोस्तों के साथ बिताएं। खेलकूद में समय दें।

प्यार करोगे तो मोटे हो जाओगे!

प्रेम होना किसी के लिए भी बेहद अमूल्य बात हो सकती है, लेकिन एक नए सर्वेक्षण के अनुसार मोटापा के लिए भी प्रेम में होना मुख्य कारण हो सकता है। नए सर्वेक्षण में प्रेम के कारण वजन बढ़ाने वाली कई परंपरागत परिस्थितियां बनती हैं, जैसे सहजता से भोजन करना, छुट्टियों में एक-दूसरे के साथ होना या व्यायाम न करना आदि।

सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि प्रेम होने के बाद उनका वजन बढ़ा। इन्हीं व्यक्तियों से ठीक तीन महीने बाद दोबारा पूछे जाने पर उन्होंने स्वीकार किया कि उनके प्रेमी युगल के वजन में भी इजाफा हुआ। सर्वेक्षण में शामिल दो तिहाई लोगों ने स्वीकार किया कि प्रेम होने के बाद उनके और उनके प्रेमी युगल के वजन में भी वृद्धि हुई।

महिलाओं ने स्वीकार

सर्वेक्षणकर्ता एवं डाइट शेफ की पोषण एवं वजन प्रबंधन विशेषज्ञ ने कहा कि सर्वेक्षण में कुछ बहुत रोचक परिणाम सामने आए हैं। यह जानना बहुत चौंकाने वाला है कि प्रेम होने के बाद लोग कितने आत्मसंतुष्ट हो सकते हैं। सर्वेक्षण में शामिल अधिकतर महिलाओं ने स्वीकार किया कि जब वे अकेली थीं तब जितना भोजना करती थीं उसके मुकाबले साथी के साथ भोजन के दौरान वे थोड़ा ज्यादा भोजन करती हैं।

सर्वेक्षण में शामिल अधिकतर युगलों ने अपनी दिनचर्या में साथ-साथ टीवी देखना, घर में हों तब भी साथ-साथ भोजन करना और अगर बाहर हों तब भी साथ-साथ भोजन करना स्वीकार किया। इससे उनकी दैनिक क्रियाओं की गतिविधियों का पता चलता है।

फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मेसी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मेसी में करियर बना कर अपने भविष्य को संवारने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्युटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और ट्रेंड लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मेसी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए

फार्मा रिसर्च में स्पेशलाइजेशन के लिए एनआईपीईआर यानी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मा एजुकेशन एंड रिसर्च जैसे संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ-साथ पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, एडवांस डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग जैसे कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों की अवधि छह माह से एक वर्ष के बीच है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता बीएससी, बीफार्मा अथवा डीफार्मा निर्धारित की गई है।

व्यक्तिगत योग्यता

यदि आप फार्मेसी की दुनिया में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपकी साइंस और खासकर लाइफ साइंस तथा दवाइयों के प्रति दिलचस्पी होनी चाहिए। इससे जुड़े रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपकी दिमागी विश्लेषण क्षमता बेहतर हो और आपकी शैक्षणिक बुनियाद भी अच्छी होनी चाहिए। यदि आप इससे जुड़े मार्केटिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल जरूर बेहतर होनी चाहिए। डीफॉर्मा और बीफॉर्मा कोर्स में दवा के क्षेत्र से जुड़ी उन सभी बातों की थ्योरेटिकल और प्रायोगिक जानकारी दी जाती है जिनका प्रयोग आमतौर पर इस उद्योग के लिए जरूरी होता है। इसके साथ फार्माकोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, हॉस्पिटल एंड क्लीनिकल फार्मेसी, फॉर्मास्यूटिकल, हेल्थ एजुकेशन, बायोटेक्नोलॉजी आदि विषयों की जानकारी दी जाती है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भारत आज फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में काफी तेजी के आगे बढ़ रहा है। वैसे, इस क्षेत्र का दायरा भी काफी व्यापक है। यहां नई-नई दवाइयों की खोज व विकास संबंधी कार्य किया जा सकता है। आरएंडडी क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, एनालिटिकल आरएंडडी, एपीआई यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बांबे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

इन्ग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता हैं। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्टूडेंट्स को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट, फार्मेकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगेटर बनकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्मेकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पदार्थों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगेटर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रॉयल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मेसी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शख्स भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां भारत में अपना कारोबार कर रही हैं। इनके अलावा, रैनबैक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूपिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां हैं मौके

नर्सिंग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आर्म्ड फोर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफॉर्मा करने के बाद आप मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट, एनालिस्ट कैमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ी हैं।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। दरअसल बुजर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था।

इस जरूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थित, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यार्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संवार सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मैट्रोपोलिटेन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटर्निशप और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदावार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उसकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**